राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह

मध्यप्रदेश राजस्थान हरियाणा छत्तीसगढ़ महाराष्ट्र से प्रकाशित

डाक पंजीयन क्रं. 173/15-17 | 5 गुकेश ने जाग्रेब सुपरयूनाइटेड रैपिड चेस खिताब जीता | सम्पादकीय | दिल्ली का दम घुटा जा रहा, जनता सांस मांग रही | छोटे कारोबारियों के बीच यूपीआई बना... 5

वर्ष 12 अंक 39 E-mail: dholpur@hotmail.com | फरीदाबाद, रविवार 06 जुलाई 2025 | ई-पेपर के लिए लॉगऑन करें -www.hindustanexpress.online | मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

पीएम नरेन्द्र मोदी ने अर्जेंटीना के नेशनल हीरो को दी श्रद्धांजलि

सैन मार्टिन ने 3 देशों को आजादी दिलाई थी, प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति जेवियर से मुलाकात की

ब्यूनस आयर्स। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अर्जेंटीना के नेशनल हीरो और स्वतंत्रता सेनानी जनरल होसे डी सैन मार्टिन के स्मारक पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। दक्षिण अमेरिकी देशों- अर्जेंटीना, चिली और पेरू को आजादी दिलाने वाले सैन मार्टिन को मुक्तिदाता भी कहा जाता है। पीएम मोदी ने इसके बाद राष्ट्रपति जेवियर मिलई से मुलाकात की। राष्ट्रपति जेवियर ने राजधानी ब्यूनस आयर्स में प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। पीएम मोदी और अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर ने ब्यूनस आयर्स में डेलिगेशन लेवल पर बातचीत की।

न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, मोदी और जेवियर के बीच जरूरी खनिजों, व्यापार-निवेश, ऊर्जा, कृषि सहित कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर बातचीत हुई। दोनों देशों में लिथियम सप्लाई पर समझौता संभव है। अर्जेंटीना के पास दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा लिथियम भंडार है। पीएम मोदी शनिवार सुबह को दो दिन के दौरे पर अर्जेंटीना पहुंचे हैं। होटल पहुंचने पर भारतीय समुदाय के लोगों ने उनका स्वागत किया। पीएम बनने के बाद मोदी का यह दूसरा अर्जेंटीना दौरा है। इससे पहले वे 2018 में त्न20 समिट में हिस्सा लेने अर्जेंटीना गए थे। मोदी 2 जुलाई से 10 जुलाई तक, 5 देशों की यात्रा पर हैं। वे घाना, त्रिनिदाद एंड टोबैगो के बाद अर्जेंटीना पहुंचें हैं। मोदी यहां भारतीय मूल के लोगों को संबोधित भी करेंगे। इसके बाद उनका अगला पड़ाव ब्राजील है।

अमरनाथ यात्रा : चंदरकोट में काफिले की बसें टकराईं, 36 घायल

नई दिल्ली। अमरनाथ यात्रियों को लेकर जा रहे काफिले की चार बसों में टक्कर हो गई। रामबन जिले में चंदरकोट लंगर के पास हुए हादसे में करीब 36 यात्री घायल हो गए हैं। हादसा तब हुआ, जब ब्रेक फेल होने के कारण एक बस का ड्राइवर नियंत्रण खो बैठा। इससे काफिले में शामिल तीन और बसें आपस में टकरा गईं। खबर मिलते ही रेस्क्यू टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और घायल तीर्थयात्रियों को इलाज के लिए जिला अस्पताल रामबन ले जाया गया है। बाकी यात्रियों को दूसरी गाड़ियों से पहलगाम के लिए रवाना किया गया है। इससे पहले भारी बारिश के बावजूद 6,900 से तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था शनिवार को भगवती नगर बेस कैंप से रवाना हुआ है। इस जत्थे में 5196 पुरुष, 1427 महिलाएं, 24 बच्चे, 331 साधु और साध्वी तथा एक ट्रांसजेंडर शामिल है। यात्रा शुरू होने के दूसरे दिन शुक्रवार शाम 7 बजे तक 26,000 से ज्यादा श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा में हिम शिवलिंग के दर्शन कर लिए थे।

ग्वालियर-चंबल क्षेत्र बनेगा विकास का नया केंद्रः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

विकास की नई इबारत लिख रहा मध्यप्रदेश : ज्योतिरादित्य सिंधिया

- ग्वालियर में 77 करोड़ से निर्मित आईएसबीटी और 112 करोड़ से बने 132 केवी सब स्टेशन सहित फुटबॉल खिलाड़ियों के लिए खेल कॉम्पलेक्स का हुआ लोकार्पण

ग्वालियर । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारी सरकार प्रदेश के समग्र विकास के लिए संकल्पित है। हम सबके जीवन में उजाला लाने के लिए कटिबद्ध हैं। ग्वालियर-चंबल क्षेत्र शीघ्र ही राज्य का सबसे विकसित क्षेत्र बनेगा। मुख्यमंत्री ने क्षेत्रीय किसानों से अपील की कि वे अपनी जमीन बेचने की कतई न सोंचे, क्योंकि इस क्षेत्र में शीघ्र ही रोजगार के नए अवसर और विकास की नई धाराएं बहने वाली हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को ग्वालियर के आईएसबीटी परिसर में विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमिपूजन समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यहां 265.56 करोड़ रुपये की लागत वाले विभिन्न विकास कार्यों का रिमोट का बटन दबाकर लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। साथ ही विभिन्न शासकीय योजनाओं के अंतर्गत पांच पात्र हितग्राहियों को मंच से हितलाभ भी वितरित किए। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में नदियों को जोड़ने का अभियान चल रहा है। केंद्र सरकार की मदद से यहां पार्वती, कालीसिंध और चंबल नदियों को आपस में जोड़ने की राष्ट्रीय नदी लिंक परियोजना पर करीब 70,000 करोड़ रुपये की लागत से काम किया जा रहा है। साथ ही केन-बेतवा राष्ट्रीय नदी लिंक परियोजना से भी ग्वालियर-चंबल क्षेत्र के किसानों को व्यापक स्तर पर लाभ मिलने वाला है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस क्षेत्र के बीहड़ों को अब बेहतर तरीके से विकसित किया जा रहा है। यहां के बीहड़ों में जल्द ही केंद्र सरकार के सहयोग से 2000 मेगावाट क्षमता का एक बड़ा सोलर पावर प्लांट प्रोजेक्ट स्थापित किया जा रहा है।

धर्म सनातन की ध्वजा लेकर देश को आगे बढ़ाने का हो रहा है कार्यः उप मुख्यमंत्री शुक्ल

आध्यात्मिक व तपस्या के मार्ग पर चलना बहुत कठिनः मंत्री प्रह्लाद पटेल

श्री सद्गुरू प्राकट्य महोत्सव 2025 के पावन अवसर पर, 75 फीट ऊँची भगवान सदाशिव की दिव्य प्रतिमा का लोकार्पण

श्री रावतपुरा सरकार आश्रम, वेदांती परिसर, सागर में सम्पन्न हुआ कार्यक्रम

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

सागर। धर्म सनातन की ध्वजा लेकर देश को आगे बढ़ाने का कार्य हमारे देश के संत कर रहे हैं और ईश्वर की कृपा तथा संतों के आशीर्वाद से देश और प्रदेश समृद्ध एवं खुशहाल बन रहे हैं। उक्त विचार उप मुख्यमंत्री एवं सागर जिले के प्रभारी मंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने सागर में आयोजित संत श्री रविशंकर रावतपुरा सरकार के जन्मोत्सव कार्यक्रम में व्यक्त किए। इस अवसर पर संत श्री रविशंकर जी महाराज, संत श्री आनंद ब्रह्मचारी, संत श्री रामलखन महाराज, संत श्री सुदर्शन दास जी, मंत्री प्रह्लाद पटेल, मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव, पूर्व मंत्री भूपेन्द्र सिंह, विधायक शैलेन्द्र जैन सहित बड़ी संख्या में संत समुदाय, जनप्रतिनिधि एवं भक्तगण उपस्थित थे।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि तन, मन और जीवन को समर्पित करने वाला व्यक्ति ही संत बन सकता है, और यही कार्य हमारे संत श्री रविशंकर महाराज कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि धर्म सनातन की ध्वजा लेकर देश और प्रदेश को समृद्ध बनाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि रावतपुरा सरकार का संकल्प है कि 11 सदाशिव शंकर जी की मूर्तियाँ स्थापित की जाएंगी, जिनमें से सागर में 75 फीट ऊँची सदाशिव की मूर्ति का लोकार्पण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि तेरा तुझको अर्पण, मेरा क्या लागे की भावना की तर्ज पर ही सरकार कार्य कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि संतों की वाणी पर कोई तर्क नहीं किया जा सकता; उनकी वाणी को श्रद्धा से ग्रहण कर उसे आगे बढ़ाने का कार्य किया जाना चाहिए। रावतपुरा सरकार द्वारा देशभर में 200 स्थानों पर शिक्षा, स्वास्थ्य और जनकल्याण की संस्थाएँ संचालित की जा रही हैं। शिक्षा की संस्थाएँ खोलकर गरीबों को शिक्षित करने का कार्य कर समाज को नई दिशा प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि हमारे प्रदेश में संत-महात्माओं का वास है, इसलिए हमारा प्रदेश सुखी और समृद्ध है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि रावतपुरा सरकार ने हमें दो मंत्र दिए हैं, जिन पर मैं चल रहा हूँ। पहला, मंदिरों को बेहतर बनाएं और दूसरा यदि कोई व्यक्ति आपके समक्ष अपनी समस्या लेकर आए, तो उसका कार्य तत्काल करें। इससे हमें आत्मिक शांति मिलती है। ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा कि आध्यात्मिक मार्ग, तपस्या और तप का मार्ग होता है, जिस पर चलना अत्यंत कठिन होता है। जो व्यक्ति इस मार्ग पर चलता है, वही महात्मा बनता है, क्योंकि तपस्या और तप से नई ऊर्जा प्राप्त होती है। इस ऊर्जा के सामने माया भी टिक नहीं पाती। उन्होंने बताया कि वर्ष 1990 में हम रावतपुरा सरकार के चरणों में पहुँचे और लगभग 10 से 11 वर्षों तक उनके आशीर्वाद और तपस्या का लाभ प्राप्त किया। उनकी तपस्या से मिली अनुशासन और ऊर्जा की सीख से आज मैं देश और प्रदेश की सेवा कर पा रहा हूँ। उन्होंने कहा कि मौन साधना भी एक बड़ी तपस्या होती है, और यह रावतपुरा सरकार में विद्यमान है। उन्होंने कहा कि गुरु ने अपने शिष्यों को नियमों की पुस्तिका प्रदान की है, और सभी को उसी पुस्तिका के अनुसार भक्ति करनी चाहिए तथा नियमों का पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारी भक्ति स्वार्थ या लाभ की नहीं होनी चाहिए, बल्कि श्रद्धा और समर्पण की होनी चाहिए। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि श्रद्धा, भक्ति और आस्था का महाकुंभ है रावतपुरा सरकार का जन्मोत्सव, प्रकटोत्सव। उन्होंने कहा कि इस महाकुंभ में रावतपुरा सरकार द्वारा जो 75 फीट ऊँची भगवान शंकर की मूर्ति स्थापित की गई है, उससे सागर की माताओं, बहनों और श्रद्धालुओं को मकरोनिया-खुरई रोड के साथ-साथ शहर के मध्य भगवान शंकर की पूजा-अर्चना करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। रहली विधायक एवं पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव ने कहा कि रावतपुरा सरकार धाम में जो कार्य हुए हैं, वे यूरोप और अमेरिका से भी श्रेष्ठ हैं। उन्होंने कहा कि धर्म की बात तो सभी करते हैं, पर यदि हम सभी धर्मों के साथ सेवा और भक्ति का मार्ग अपनाएं तो भारत निश्चित ही विश्वगुरु बनेगा। उन्होंने यह भी कहा कि रावतपुरा सरकार चिकित्सा, तकनीक और शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करते हुए गरीबों के कल्याण के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि वेदांती में सदाशिव की मूर्ति की स्थापना से भक्ति और पर्यटन का एक नया अध्याय प्रारंभ होगा। सरकार के भीतर अलौकिक ईश्वरीय ज्ञान विद्यमान है।विधायक एवं पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह ने कहा कि पिछले 25 वर्षों से हमें रावतपुरा सरकार का आशीर्वाद प्राप्त है, और उसी आशीर्वाद से हम नई ऊर्जा के साथ क्षेत्र की सुख-समृद्धि के लिए कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का तप, तपस्या और ज्ञान हम सभी को नई ऊर्जा प्रदान करता है। स्वास्थ्य सहित विभिन्न क्षेत्रों में महाराज जी द्वारा निरंतर सेवा का कार्य किया जा रहा है। संत हमारी आत्मा को प्रकाश देने का कार्य करते हैं। महाराज जी के चरणों में नमन करते हुए हम यही कामना करते हैं कि उनकी कृपा और आशीर्वाद सदैव बना रहे। उन्होंने कहा कि यदि किसी के जीवन में संत नहीं हैं, तो वह जीवन व्यर्थ है, क्योंकि बिना संत के जीवन में मार्गदर्शन नहीं मिलता। हमें संतों से प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने बताया कि मात्र 9 वर्ष की आयु में रावतपुरा सरकार ने त्याग और साधना का मार्ग चुनते हुए धर्म, देश और समाज के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। विधायक शैलेन्द्र जैन ने कहा कि रावतपुरा सरकार ने मुझे बिना माँगे सब कुछ प्रदान किया है, और वे इसी प्रकार सभी को सब कुछ प्रदान करते हैं। श्री जैन ने कहा कि रावतपुरा सरकार की तपस्या अद्भुत और अनुकरणीय है। उनमें सरलता, सौम्यता और विलक्षण व्यक्तित्व का खजाना है। वे प्रेरणा के पुंज हैं। उनकी प्रेरणा पर चलकर हम सभी को अपना जीवन जीना चाहिए। संत श्री रावतपुरा सरकार एवं अन्य संतो के साथ सभी अतिथियों द्वारा श्री सदाशिव शंकरजी की मूर्ति का पूजन-अर्चन कर लोकार्पण किया। साथ ही परिसर में फलदार पौधे भी रोपे। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं धर्मबंधु मौजूद रहे।

स्कूल सीरीजः यूपी-एमपी के शासकीय स्कूलों की जमीनी हकीकत उजागर कर रहा बुंदेलखंड 24×7

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

झाँसी। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में फैले बुंदेलखंड क्षेत्र के शासकीय स्कूलों की वास्तविक स्थिति को सामने लाने के लिए क्षेत्र के नंबर वन डिजिटल न्यूज़ प्लेटफॉर्म ''बुंदेलखंड 24×7'' ने अपनी महत्वाकांक्षी स्कूल सीरीज की शुरुआत की है। गर्मी की छुट्टियों के बाद 15 जून से 01 जुलाई के बीच क्षेत्र के लगभग सभी स्कूलों के खुल चुके हैं, इसे ध्यान में रखते हुए इस सीरीज के तहत चैनल ने बुंदेलखंड के 14 जिलों, पन्ना, छतरपुर, निवाड़ी, सागर, झाँसी, बांदा, चित्रकूट, हमीरपुर, महोबा, दमोह, टीकमगढ़, ललितपुर, जालौन और दतिया के विभिन्न तहसीलों में स्थित शासकीय स्कूलों का गहन निरीक्षण करना शुरू कर दिया है।

''बुंदेलखंड 24×7'' की ग्राउंड जीरो टीम, स्कूलों की मौजूदा स्थिति को समझने के लिए न केवल स्कूलों का दौरा कर रही है, बल्कि अध्यापकों और बच्चों के साथ गहन चर्चा भी कर रही है। इस दौरान स्कूलों में अध्यापकों की संख्या, बुनियादी ढांचे की स्थिति, शैक्षिक संसाधनों की उपलब्धता और बच्चों की समस्याओं जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डाला जा रहा है। यह सिलसिला पूरे जुलाई माह तक जारी रहेगा, जिसमें चैनल का लक्ष्य दूर-दराज के इलाकों में बने स्कूलों को भी कवर करना है, ताकि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच शैक्षिक सुविधाओं की विषमता को उजागर किया जा सके।

इस पहल के पीछे ''चैनल के फाउंडर डॉ. अतुल मलिकराम'' का दृष्टिकोण स्पष्ट है। उन्होंने कहा, ''बुंदेलखंड जैसे क्षेत्र में शिक्षा की स्थिति को सुधारने के लिए पहले उसकी जमीनी हकीकत को समझना जरूरी है। हमारी स्कूल सीरीज का मकसद न केवल समस्याओं को उजागर करना है, बल्कि उन मुद्दों को प्रशासन और समाज के सामने लाना है, जिन्हें हल करके हम अपने बच्चों के भविष्य को बेहतर बना सकते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं की कमी और अध्यापकों की अपर्याप्त संख्या जैसे मुद्दों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हमारा प्रयास है कि इन स्कूलों की कहानियां और वहां के बच्चों की आवाजें ज्यादा से ज्यादा लोगों के साथ-साथ शासन-प्रशासन तक भी पहुंचें।'' ''चैनल के डायरेक्टर और प्रमुख आसिफ पटेल'' ने इस सीरीज के महत्व को समझाते हुए बताया, ''हमारी टीम बुंदेलखंड के हर कोने में जाकर स्कूलों की स्थिति का जायजा ले रही है। कई स्कूलों में हमें ऐसी कमियां दिखीं, जो बच्चों की पढ़ाई को प्रभावित कर रही हैं, जैसे कि कक्षाओं में बेंच-डेस्क की कमी, पीने के पानी की अनुपलब्धता, और कुछ जगहों पर तो बिजली और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव है। इसके अलावा, कई स्कूलों में अध्यापकों की कमी एक बड़ी समस्या है, जिसके कारण एक शिक्षक को कई कक्षाओं को संभालना पड़ता है। हमारी यह सीरीज इन मुद्दों को न केवल उजागर करेगी, बल्कि नीति-निर्माताओं और प्रशासन को इनके समाधान के लिए प्रेरित भी करेगी।''

इस सीरीज के तहत ''बुंदेलखंड 24×7'' स्थानीय समुदायों, अभिभावकों और शिक्षा विभाग के अधिकारियों से भी बातचीत कर रहा है, ताकि समस्याओं के कारणों और समाधानों को समझा जा सके। चैनल का लक्ष्य है कि इस पहल के माध्यम से बुंदेलखंड के शासकीय स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता और बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। इसके साथ ही, चैनल ने दर्शकों से अपील की है कि वे इस सीरीज को देखें और अपने आसपास के स्कूलों की स्थिति के बारे में जानकारी साझा करें, ताकि इस मुहिम को और व्यापक बनाया जा सके। पूरे जुलाई माह तक चलने वाली यह सीरीज न केवल शिक्षा के क्षेत्र में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि यह बुंदेलखंड के बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए भी एक उम्मीद की किरण है।

थानों से गायब होता जा रहा है ''परित्राणाय साधूनां'' का श्लोक- पुलिस और पीड़ित के मध्य रोज हो रहे हैं विवाद

-आनन्द प्रकाश गुप्ता-

बहराइच। आज थानों में एसी लग गए, दीवारें चमक रही हैं, कैमरे सज गए, थाना प्रभारियों के ऑफिस से लेकर उनके सरकारी आवास तक सब मॉर्डनाइस हो गया। मगर जनता के दर्द सुनने की जगह वही पुरानी है – बंद दरवाजों के पीछे मुंसी जी का रौब झाड़ने वाला दरबार।

पीड़ित और फरियादी आज भी दरबार में घुटनों के बल घुसते हैं, साहब का मूड देखकर सांस रोकते हैं। अफसरों की भाषा में शालीनता का चलन बढ़ रहा है वहीं मुंशी जी का अभी भी वही पुराने जमाने का लहजा – ''हम जेलर हैं, कानून हमारे हाथ में है!'' तभी तो थानों में रोज कुकुर झौ-झौ मचती है, कोई चीखता है, कोई रोता है, और बड़े साहब के दरबार में भीड़ घटने के बजाय हर दिन बढ़ती जा रही है।

थानों को मॉर्डन बनाने की होड़ में पुलिस ने अपनी आत्मा गिरवी रख दी। श्लोक जो कभी पुलिसकर्मी को याद दिलाता था कि उनका धर्म सिर्फ अपराधियों को मारना नहीं, बल्कि समाज में नैतिकता और धर्म की स्थापना करना है – अब दीवारों से साफ कर दिया गया।

वरिष्ठ नागरिक और पूर्व अधिकारी कहते हैं, ''कहीं ऐसा तो नहीं कि चमकदार शीशों और एयर कंडीशनर के पीछे से पुलिस ने वह दृष्टि तो नहीं खो दी है, जो उसे जनता की रक्षा का संकल्प दिलाती थी?''

पुलिस विभाग अपनी सफाई में कहना है कि गाइडलाइंस और आधुनिक जरूरतों के मुताबिक बदलाव जरूरी हैं। पर सवाल यह है कि क्या आधुनिकीकरण का मतलब परंपरा और आदर्शों को दफन करना है?

योगी सरकार आने पर लोगों को उम्मीद थी कि थानों में फिर से धर्म और आदर्शों की गूंज सुनाई देगी। लेकिन अब वही लोग मायूस हैं। पुलिस की नई इमारतों में हाइटेक सुविधा भले आ गई हो, पर न्याय और भरोसे की खुशबू कहां गई?

क्या फिर लौटेगा वह श्लोक? या पुलिस थानों से ही नहीं, अपने दिलों से भी 'धर्म' और 'कर्तव्य' को विदा कर चुकी है?

वंचित बच्चों के साथ मनाया जन्मदिन, बदलाव लाना-मदद ही हमारा लक्ष्य हैः तुषार पशिने सामाजिक कार्यकर्ता

तुमसर। हम ऐसी दुनिया की कल्पना नहीं कर सकते जहाँ हर साल एक दिन हमारे बारे में न हो। हम केक और उपहारों के बिना जन्मदिन की कल्पना नहीं कर सकते। लेकिन ज़रूरतमंद और भूखे गरीब बच्चों को भोजन उपलब्ध कराकर खुशियाँ बाँटना उत्सव को और भी ज़्यादा आनंदमय और खुशनुमा बना देता है। तुषार कमल पशिने द्वारा एक नई पहल की तलाश की गई, जिसमें कोई भी और हर कोई ज़रूरतमंदों और वंचितों के साथ अपने खास पलों का जश्न मना सकता है और अपने खास दिन को और भी यादगार बना सकता है। तुषार पशिने ने अपने बेटे देवांश (बाबा) पशिने का 4 था जन्मदिन लुंबिनी मतिमंद विशेष निवासी कर्मशाळा में मतिमंद दिव्यांग बच्चों के साथ मनाया, जन्मदिन का केक काटा और कई मनोरंजक खेल भी खेले निम्नलिखित वस्तुएं वितरित की गईः फ्रूट, बिस्कुट, रजिस्टर और पेन।

35 वंचित बच्चों के साथ सफलतापूर्वक जन्मदिन का जश्न मनाया

दानदाताओं को अपने विशेष दिनों को अधिक अनोखे और धर्मार्थ तरीके से मनाने के लिए जागरूक किया और आग्रह किया। परिवार के सदस्य बोले कि घर में तो हर कोई जन्मदिन मनाता ही है लेकिन जरूरतमंद बच्चों के साथ खुशियां बांटने का एक अलग आनंद है क्योंकि ये बच्चे भी चाहते हैं कि कोई उनके साथ अपनापन दिखाएं। समाज के हर परिवार को इस तरह की पहल करनी चाहिए ताकि हर दिन यादगार तो बने ही साथ ही जरूरतमंद की सेवा भी हो सके। खास बात यह रही कि इस मौके पर परिवार के सभी लोग शामिल हुए। देवांश की मम्मी अंजलि पशिने ने बताया कि कि अब कि बार देवांश का जन्मदिन कुछ इस तरह मनाया जाए कि पुण्य भी हो जाए और मन को सुकून भी मिल। कार्यक्रम में तुषार पशिने (पापा), अंजलि पशिने (मम्मी), प्रियांश पसीने (भाई), कमल पशिने (दादाजी), आशा पशिने (दादी), ललित पशिने (दादाजी), स्कूल कर्मचारी ममता बांगरे, दिनेश देशभ्रतार, संतोष मारबते, नीता डेकवार, पौर्णिमा भुतांगे, कृष्णा रोकडे सभी लोग उपस्थित थे।

जिला सागर के पेपरलेस निर्वाचन सम्पन्न कराने के लिए राज्य निर्वाचन आयोग से जायेगा तीन चरणों में भारी भरकम दल

सागर। जिला सागर के 22 जुलाई को 16 मतदान केंद्रों में हो रहे पंचायत एवं जनपद पंचायत के मतदान के लिए राज्य निर्वाचन आयोग से तीन चरणों में उप सचिव एवं अन्य वरिष्ट अधिकारियों का दल जाएगा।

उल्लेखनीय है कि जिला सागर के एक जनपद पंचायत बीना एवं चार ग्राम पंचायत के सरपंच के लिए निर्वाचन संपन्न हो रहा है जो की मध्य प्र्र्देश राज्य निर्वाचन आयोग के द्वारा पहली बार नवाचार के रूप में इतनी बड़ी संख्या में पेपरलेस तरीके से कराया जाएगा। इस निर्वाचन में एक साथ पहली बार 16 मतदान केदो में पेपरलेस तरीके से निर्वाचन होगा। इसके लिए राज्य निर्वाचन आयोग ने विस्तृत कार्य योजना एवं कार्यक्रम बनाया है एवं जिला सागर को इस पेपरलेस निर्वाचन के लिए विशेष रूप से रू. 12,50,000/-रुपए का बजट का आवंटन किया गया है एवं राज्य निर्वाचन आयोग से भारी भरकम रूप से तीन चरणों में वरिष्ठ अधिकारियों का दल जाएगा जो जिला सागर के अधिकारियों को पेपरलेस निर्वाचन करने के लिए मदद करेगा।

इस संबंध में राज्य निर्वाचन आयोग के द्वारा माननीय निर्वाचन आयुक्त मनोज कुमार श्रीवास्तव एवं सचिव अभिषेक सिंह के द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सागर जिले के कलेक्टर संदीप जी आर से भी विस्तृत चर्चा करके व्यापक कार्य योजना बनाई गई है।

पहले चरण में जो कि दिनांक 07 जुलाई से 08 जुलाई के बीच में राज्य निर्वाचन आयोग के उप सचिव एवं चार अन्य तकनीकी अधिकारी जिला सागर जाएंगे जो वहां पर विस्तृत रूप से मतदान केंद्र का निरीक्षण करेंगे ,पेपरलेस निर्वाचन के लिए आवश्यक सामान जैसे की लैपटॉप, पेन ड्राइव ,थंब प्रिपरेशन मशीन, सिग्नेचर पेड इनवर्टर, प्रिंटर ष्ष्स्ट डिवाइस आदि की विस्तृत व्यवस्था करवाएंगे एवं इनका निरीक्षण करके वहां के मतदान कर्मियों को विस्तृत तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। इसके साथी उपरोक्त आवश्यक कंप्यूटर लैपटॉप आदि सामानों का एफएलसी रेंडमाइजेशन की भी करवाई करवाएंगे।

इसके बाद द्वितीय चरण में 14 जुलाई से 16 जुलाई के बीच में राज्य निर्वाचन आयोग की अवर सचिव श्रीमती संजू कुमारी जाएंगी जो कि वहां के द्वितीय चरणों के में पीठासीन अधिकारी एवं अन्य मतदान दल का द्वितीय चरण का प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। जिसमें एमटी का गठन एवं उनसे मॉक ड्रिल करवाना मतदान कर्मियों का लैपटॉप पेन ड्राइव आदि का हैंड्स ऑन करना मोबाइल सॉफ्टवेयर पर इंस्टॉल करना एवं उसका हाथ ऑन करना पूरी निर्वाचन प्रक्रिया का मॉडल करना एवं निर्वाचन प्रक्रिया की समीक्षा करके आने वाली कठिनाइयों को दूर करना शामिल है।

तीसरे एवं अन्तिम चरण में राज्य निर्वाचन आयोग के उप सचिव मुकुल कुमार गुप्ता के नेतृत्व में कर्मचारियों का दल जाएगा जो की जिला सागर के में 22 जुलाई को होने वाले वास्तविक मतदान की प्रक्रिया के जिला सागर के कलेक्टर एवं अन्य प्रशासनिक अधिकारियों के सहयोग से संपन्न कराएंगे।

यहां यह उल्लेखनीय है कि राज्य निर्वाचन आयोग के द्वारा नवाचार के रूप में पेपरलेस निर्वाचन के माध्यम से आने वाले समय में निर्वाचन की प्रक्रिया को न केवल अत्यंत पारदर्शी एवं निष्पक्ष बनाने की कार्रवाई की जा रही है वहीं इस पूरी प्रक्रिया से निर्वाचन कार्यक्रम अत्यंत सरणीकरण होगा हो जाएगा, वही पीठासीन अधिकारियों को भी किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होगी। यहां पर यह बहुत बड़ी सुविधा पीठासीन अधिकारियों को दी जाएगी कि वह मतदान कराने के लिए जिला निर्वाचन कार्यालय में लाइन नहीं लगाएंगे इसके लिए वह सीधे मतदान केंद्रों में एक दिन पूर्व 03:00 बजे केवल उपस्थित होंगे। और मतदान केदो में निर्वाचन सामग्री पहुंचने का कार्य इसके लिए विशेष रूप से नियुक्त मतदान पर्यवेक्षक दल (SSMT) के द्वारा किया जाएगा।

''इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम्स: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ड्रोन और ईवी का समन्वय'' विषय पर एआईसीटीई-क्यूआईपी-पीजी प्रमाणपत्र कार्यक्रम का ग्रीष्मकालीन सत्र सफलतापूर्वक सम्पन्न

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान (ABV-IIITM), ग्वालियर में आयोजित एआईसीटीई-क्यूआईपी-पीजी प्रमाणपत्र कार्यक्रम के अनिवार्य ग्रीष्मकालीन (ऑफलाइन) सत्र का सफलतापूर्वक समापन हुआ। इस कार्यक्रम का विषय था ''इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम्सः आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ड्रोन और ईवी का समन्वय'', जो 23 जून से 04 जुलाई 2025 तक चला। यह कार्यक्रम संस्थान के निदेशक प्रो. एस.एन. सिंह के सक्षम नेतृत्व में तथा डॉ. एम.एस. परिहार के समन्वयन में संचालित हुआ। कार्यक्रम में डॉ. आई.ए. अंसारी, डॉ. विनल पटेल और डॉ. पिंकू रंजन जैसे विशेषज्ञ फैकल्टी सदस्यों ने महत्वपूर्ण शैक्षणिक योगदान दिया। इस कार्यक्रम में देशभर के 37 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जो मध्य प्रदेश, दिल्ली, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, असम, महाराष्ट्र, राजस्थान, तमिलनाडु, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश जैसे विभिन्न राज्यों से आए थे। यह राष्ट्रीय प्रतिनिधित्व इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की गुणवत्ता और प्रतिष्ठा को दर्शाता है। पाठ्यक्रम में प्रतिभागियों को सिद्धांत आधारित व्याख्यानों के साथ-साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यक्रम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ड्रोन तकनीक और इलेक्ट्रिक वाहनों के एकीकृत उपयोग से संबंधित नवीनतम शोध और औद्योगिक अनुप्रयोगों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया। यह कार्यक्रम AICTE द्वारा प्रायोजित सबसे प्रतिष्ठित और मांग वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों में से एक है, जिसका उद्देश्य उच्च शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों और शोधकर्ताओं को उन्नत तकनीकी दक्षताओं से सुसज्जित करना है। कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्रतिभागियों ने दिसंबर 2025 में एबीवी-आईआईआईटीएम ग्वालियर में अंतिम सत्र में पुनः मिलने का संकल्प लिया। इस बीच, ऑनलाइन व्याख्यानों और संवादात्मक सत्रों के माध्यम से अध्ययन जारी रहेगा, जिससे निरंतर सीखने की प्रक्रिया सुनिश्चित होगी। यह कार्यक्रम एबीवी-आईआईआईटीएम ग्वालियर की उन्नत तकनीकी शिक्षा और भारत में स्मार्ट व सस्टेनेबल ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम के विकास में अग्रणी भूमिका को स्पष्ट करता है।

विमल जैन बने चंबल रीजन दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के सह सचिव

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/अम्बाह। अम्बाह के प्रतिष्ठित समाजसेवी विमल जैन (भंडारी) को दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन (चंबल रीजन) में सह सचिव नियुक्त किया गया है। उनकी इस नियुक्ति से अंबाह नगर सहित पूरे चंबल क्षेत्र के जैन समाज में हर्ष की लहर है।

विमल जैन (भंडारी) समाज सेवा, धार्मिक आयोजन, तथा सामाजिक जागरूकता अभियानों में वर्षों से सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने अंबाह में अनेक धार्मिक व सेवा कार्यों जैसे भक्तामर पाठ, भजन संध्या, निर्धन सहायता, स्वास्थ्य शिविर इत्यादि में अग्रणी भूमिका निभाई है। सरल स्वभाव, सक्रिय सोच और मिलनसार व्यक्तित्व के कारण वे युवाओं और वरिष्ठजनों में समान रूप से लोकप्रिय हैं। उनकी नियुक्ति पर दिगंबर जैन सोशल ग्रुप अम्बाह के अध्यक्ष अमित जैन टकसारी, कुलदीप जैन, संतोष जैन सहित समाज के अन्य गणमान्यजनों ने बधाई दी और विश्वास जताया कि विमल जैन अपने पद की गरिमा को बनाए रखते हुए पूरे चंबल रीजन में जैन समाज की एकता, सेवा और समर्पण को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे। इस अवसर पर विमल जैन ने सभी समाजजनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे समाज के विकास, नवाचार और युवा सहभागिता को बढ़ावा देने हेतु प्रतिबद्ध रहेंगे। उनकी यह नियुक्ति निश्चित ही चंबल क्षेत्र में जैन समाज को संगठित करने और सेवा के कार्यों को विस्तार देने में सहायक सिद्ध होगी।

लोकतंत्र सेनानी संघ ने किया रथयात्रा का स्वागत किया

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। आपातकाल योद्धाओं के संगठन लोकतंत्र सेनानी संघ की ओरसे दौलतगंज में मंच बनाकर भगवान श्री जगन्नाथ जी की रथयात्रा का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर रथयात्रा में चल रहे श्रद्धालुओं को पेयजल और मठा वितरित किया गया। संगठन की ओर से मदन बाथम, मोहन विटवेकर, पुनीत सक्सेना, जी.पी. गर्ग, राजेंद्र सिंह आर्य, रामबाबू सेन, गोपाल गांगिल, बसंत शर्मा, सुखपाल शाक्य, बद्रीप्रसाद गुप्ता, बृजमोहन श्रीवास्तव, महेश भटनागर, हरदयालसिंह, धर्मेंद्र मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/पोरसा। शहर में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए आज नगर निरीक्षक रामनरेश यादव के नेतृत्व में शहर के प्रमुख मार्गों से फ्लैग मार्च निकाला गया।

नगर निरीक्षक रामनरेश यादव के साथ दो दर्जन पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों के साथ पुलिस फोर्स के साथ अम्बाह रोड, सदर बाजार, नागजी मंदिर रोड, पुरानी बस्ती, जोटई रोड होते हुए शहर की मुख्य मुख्य मार्ग से फ्लैग मार्च शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए निकल गया।

आउटरीच गतिविधि अंतर्गत युवाओं को किया एचआईवी एड्स के प्रति जागरूक

ग्राम जरैना में लगाया गया एचआईवी एड्स जागरूकता शिविर

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/जौरा। सिविल हॉस्पिटल जोरा के मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. आर.एस. सेमिल के निर्देशन में आईसीटीसी परामर्शदाता संदीप सेंगर एवं मनीकांत शर्मा द्वारा ग्राम जरैना मे आउट रीच गतिविधि के अंतर्गत जन समुदाय एवं युवा वर्ग को एचआईवी एड्स के प्रति जागरूक करने हेतु एचआईवी एड्स जागरूकता शिविर कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें परामर्शदाता संदीप सेंगर ने युवाओं को नशे की प्रवृत्ति से दूर रहने की सलाह देते हुए आईसीटीसी की कार्य प्रणाली से अवगत कराते हुए बताया कि आईसीटीसी पर एचआईवी एड्स सिफीलिस आदि से संबंधित परामर्श एवं जांच निःशुल्क की जाती है, इसलिए आप सभी युवा अपना-अपना स्टेटस जानने हेतु एचआईवी की जांच कराने हेतु सिविल हॉस्पिटल जोरा में आईसीटीसी कमरा नंबर 101 में पर एक बार अवश्य आयें, साथ ही उन्होंने एचआईवी एड्स के संक्रमण होने के चार कारणों को विस्तार से समझाया।

अंबरीश महिला क्लब की सदस्य पहुंचीं कैला मैया के दरबार, नवरात्रि समापन पर किया भजन-कीर्तन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/अम्बाह। नवरात्रि समापन के पावन अवसर पर माथुर वैश्य अंबरीश महिला क्लब की सक्रिय सदस्याओं ने सामूहिक रूप से कैला देवी माता मंदिर, पोरसा जाकर दर्शन किए। इस धार्मिक यात्रा का उद्देश्य केवल माता के दर्शन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सभी महिलाओं ने विश्व शांति, जनकल्याण और समाज की उन्नति के लिए विशेष प्रार्थना भी की।

क्लब की प्रमुख सदस्याएं – पूजा , रागिनी, दीप्ति, साशी, रासी, बेबो,लबली जैन सहित अन्य महिलाएं – उत्साह और भक्ति के साथ यात्रा में शामिल हुईं। सभी ने परंपरागत वेशभूषा में सज-धज कर मां केला देवी के दर्शन किए और मंदिर परिसर में आयोजित भजन-कीर्तन एवं लांगुरिया गीतों में भाग लिया। भक्ति से परिपूर्ण इस कार्यक्रम में मंदिर परिसर गुंजायमान हो उठा और वातावरण पूरी तरह आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया। यात्रा के दौरान महिला क्लब की सदस्याओं ने केवल केला देवी मंदिर तक ही अपनी श्रद्धा सीमित नहीं रखी, बल्कि पोरसा नगर के अन्य प्रसिद्ध मंदिरों का भी दर्शन किया। हर मंदिर में उन्होंने दीप प्रज्वलन कर माता रानी से अपने परिवार, समाज और राष्ट्र की सुख-शांति की कामना की। इस तरह यह यात्रा धार्मिक आस्था के साथ-साथ सामाजिक एकता और महिला सहभागिता का प्रतीक बन गई। महिला क्लब की सदस्यों का कहना है कि इस प्रकार के सामूहिक धार्मिक आयोजन महिलाओं को आत्मिक बल के साथ-साथ सामाजिक संवाद का अवसर भी प्रदान करते हैं।

भक्तामर पाठ व भजन संध्या से गूंजा श्री दिगंबर पार्श्वनाथ जैन मंदिर

- वैवाहिक वर्षगाँठ पर जैन दंपती ने किया आयोजन -

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/अम्बाह। स्थानीय श्री दिगंबर पार्श्वनाथ जैन मंदिर में एक भव्य आध्यात्मिक आयोजन संपन्न हुआ। भक्तामर स्तोत्र पाठ वाचन एवं भजन संध्या का यह दिव्य आयोजन पूरन चंद्र जैन एवं श्रीमती रजनी जैन द्वारा अपनी वैवाहिक वर्षगाँठ के शुभ अवसर पर दिगंबर जैन सोशल ग्रुप के सहयोग से कराया गया। कार्यक्रम में नगर के सैकड़ों श्रद्धालु, महिलाएं, पुरुष एवं बच्चे श्रद्धाभाव से सम्मिलित हुए। आयोजन की शुरुआत मंगलाचरण से हुई, तत्पश्चात श्रद्धालुओं ने भगवान आदिनाथ एवं भगवान पार्श्वनाथ की सामूहिक आराधना की। दो घंटे तक चला यह आयोजन संगीतमय भजनों, स्तुतियों एवं वचनामृत से भक्ति और अध्यात्म से परिपूर्ण रहा। श्रद्धालु प्रभु भक्ति में झूमते हुए अध्यात्मिक आनंद में डूबे रहे।

कार्यक्रम के उपरांत सभी उपस्थितों को प्रसाद वितरित किया गया। आयोजन को सफल बनाने में दिगंबर जैन सोशल ग्रुप की विशेष भूमिका रही। ग्रुप के अध्यक्ष अमित जैन टकसारी, कुलदीप जैन सहित अन्य सदस्यों ने पूरन चंद्र जैन एवं श्रीमती रजनी जैन को शॉल व श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया और समाज सेवा में उनके योगदान की सराहना की।

समारोह में संतोष जैन सहित नगर के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने इस प्रकार के आयोजनों को सामाजिक एकता, धार्मिक चेतना और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक बताते हुए जैन दंपती को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का समापन सामूहिक मंगल आरती के साथ हुआ, जिसमें सभी श्रद्धालुओं ने भाग लेकर आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव किया।

प्रभारी मंत्री ने देखी चेतकपुरी एवं पटेल नगर रोड, नाले का भी किया अवलोकन

ग्वालियर। प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट ने शनिवार सुबह चेतकपुरी एवं पटेल नगर रोड सहित चेतकपुरी के पास बने नाले का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान प्रभारी मंत्री ने सभी अधिकारियों व निगम अमले को निर्देशित किया कि सड़कों की निरंतर मॉनिटरिंग रखें जहां से भी कोई दिक्कत आए उसका तत्काल निराकरण कराएं तथा इस बात का विशेष ध्यान रखें कि इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति ना हो। निरीक्षण के दौरान निगम आयुक्त संघ प्रिय भी प्रभारी मंत्री के साथ थे।

प्रभारी मंत्री सिलावट ने शनिवार सुबह माधव नगर गेट के सामने निगम द्वारा किए गए पैचवर्क कार्य को देखा तथा इसके उपरांत चेतकपुरी रोड पर हुई गड्ढों को भी देखा एवं आवश्यक

दिशा निर्देश दिए। इसके साथ ही चेतकपुरी के पास बने नाले का अवलोकन किया तथा नाले की विशेष साफ सफाई व्यवस्था के लिए प्लान तैयार करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इसके पश्चात प्रभारी मंत्री सिलावट ने पटेल नगर क्षेत्र में कल हुए रोड पर गड्ढे को भी देखा। निरीक्षण के दौरान प्रभारी मंत्री सिलावट ने निगम आयुक्त संघ प्रिय को निर्देश दिए कि निगम का पूरा हमला सतर्क रहे और लगातार मॉनिटरिंग करें जहां भी कोई समस्या हो तत्काल उसे ठीक किया जाए तथा यह भी ध्यान रखें कि इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति ना हो। प्रभारी मंत्री सिलावट ने कहा कि यदि आवश्यकता हो तो निगम में संसाधन और बढ़ाया जाए, जिससे नागरिकों की समस्याओं का निराकरण त्वरित हो सकें। वहीं जल निकासी के लिए भी निगम अमला निरंतर मॉनिटरिंग करें, जहां भी जलभराव की शिकायत तो तत्काल अमला पहुंचकर जल निकासी की व्यवस्था करें।

बोर्ड की द्वितीय अवसर परीक्षायें संपन्न

- संभागभर से करीब 94 हजार छात्र छात्राओं ने दी परीक्षा, अब रिजल्ट की तैयारी

ग्वालियर। माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा बीते माह से संचालित हाईस्कूल व हायर सैकेण्डरी द्वितीय अवसर परीक्षाओं का शनिवार को संस्कृत विषय के पेपर के साथ संपन्न हो गया। यह परीक्षायें बीते माह 17 जून से प्रारंभ हुई थी। हालांकि कक्षा 10वीं की यह द्वितीय अवसर परीक्षायें 26 जून को पूरी हो गई थी। जबकि कक्षा 12वीं की संचालित हो रही थी, जो शनिवार को प्राचीन भाषा संस्कृत विषय की परीक्षा के साथ संपन्न हुई। संभाग में 222 परीक्षा केन्द्रों पर यह परीक्षायें ली जा रही थी। जिसमें कक्षा 10वीं एवं 12वीं के कुल 94 हजार 708 परीक्षार्थी पंजीकृत थे।

ग्वालियर जिले में 51 परीक्षा केन्द्रों पर लगभग 18 हजार परीक्षार्थी शामिल हुये। यहां बता दें कि इस साल हाईस्कूल में 9762 और कक्षा 12वीं में 9106 छात्र छात्रायें अनुतीर्ण हो गये

थे। जबकि कुछ परीक्षार्थियों ने अच्छे अंक अर्जित करने के उद्देश्य से एक और मौके का फायदा उठाते हुये द्वितीय अवसर की परीक्षा दी थी। इस प्रकार ग्वालियर जिले से हाईस्कूल के 10 हजार 93 और हायर सैकेण्डरी के भी इतने लगभग परीक्षार्थियों ने द्वितीय अवसर परीक्षा का लाभ उठाया गया।

101 परीक्षा केन्द्रों पर 116 परीक्षार्थियों ने संस्कृत का पर्चा हल किया

कार्यालय संयुक्त संचालक लोक शिक्षण संभाग ग्वालियर कंट्रोल रूम अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार शनिवर को कक्षा 12वीं का अंतिम पेपर था। जिसमें 137 परीक्षार्थियों को संस्कृत विषय का पेपर देना था। संभागभर में 101 परीक्षा केन्द्रों पर यह परीक्षा ली गई है। आठों जिलों सहित कुल 116 परीक्षार्थी उपस्थित हुये। 21 छात्र परीक्षा देने नहीं आये।

मूल्यांकन कार्य शुरू

माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा ली जाने वाली द्वितीय अवसर परीक्षा 2025 का बीती दो जुलाई से मूल्यांकन कार्य प्रारंभ हो गया है। ग्वालियर जिले के अंतर्गत समन्वय केन्द्र शिंदे की छावनी स्थित शासकीय कन्य विद्यालय में मूल्यांकन कार्य किया जा रहा है। 25 जुलाई अंतिम तिथि घोषित है। इससे पहले मूल्यांकन कार्य पूरा करने के निर्देश है। रिजल्ट भी इसी माह घोषित किया जाना है।

छोटा हाथी लोडिंग से 29 पेटी देशी शराब के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

ग्वालियर। पुरानी छावनी थाना पुलिस ने अवैध शराब की बड़ी खेप पकड़ी है। पुलिस ने एक छोटा हाथी

लोडिंग से 29 पेटी देशी शराब बरामद कर दो शराब तस्करों को हिरासत में लिया है। पुलिस तस्करों से पूछताछ कर अब यह पता लगा रही है कि यह शराब किसकी है। तस्कर इसे कहां से लाए हैं और कहां खपानी थी। पुलिस ने पकड़े गए तस्करों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।

पुरानी छावनी थाना प्रभारी क्षमा राजौरिया ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि अवैध शराब की खेप जाने वाली है। इस सूचना पर थाने के सामने चेकिंग पॉइंट लगाकर तलाशी शुरू की, तो पुलिस टीम को कुछ देर बाद मुखबिर के बताए अनुसार नीले रंग की छोटा हाथी लोडिंग मुरैना की तरफ से आती हुई दिखी। पुलिस टीम ने उसे रोकने का प्रयास किया, तो ड्राइवर ने गाड़ी को भागने का प्रयास किया, लेकिन पहले से अलर्ट पुलिसकर्मियों ने घेराबंदी कर लोडिंग और उसमें बैठे दोनों व्यक्तियों को पकड़ लिया। पकडे गए व्यक्तियों ने अपने नाम रोबिन कुशवाह पुत्र देवेन्द्र सिंह कुशवाह और राजुल अग्रवाल पुत्र मुकेश अग्रवाल निवासी गोसपुरा नंबर-2 बताये। चेक करने पर लोडिंग में 29 पेटी देशी शराब रखी मिली। पकड़े गए दोनों व्यक्तियों से शराब के संबंध में वैध दस्तावेज मांगे गए, तो वे उपलब्ध नहीं करा पाए। पुलिस ने 29 पेटी अवैध देशी शराब एवं छोटा हाथी लोडिंग जब्त कर लिया है। पुलिस तस्करों से पूछताछ कर अब यह पता लगा रही है कि यह शराब किसकी है। तस्कर इसे कहां से लाए हैं और कहां खपानी थी। पुलिस ने पकड़े गए तस्करों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।

अग्रवाल परिचय सम्मेलन 31 को मेरठ में

ग्वालियर। अग्रवाल परिचय सम्मेलन द्वारा मेरठ के नारायण सेवा सत्संग आश्रम शारदा रोड़ में 127वां युवक युवती परिचय सम्मेलन 31 जुलाई को दोपहर 2 बजे से आयोजित किया गया है। यह जानकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश ऐरन ने एक बैठक में दी।

श्री ऐरन ने बताया कि मेरठ में होने वाले परिचय सम्मेलन के लिए अग्रबंधुओं में काफी उत्साह है, अनेकों परिवार अपने विवाह योग्य बच्चों के रिश्ते करने के लिए काफी समय से प्रयासरत हैं। यह सम्मेलन खासतौर से समाज के सभी छोटे बड़े वर्ग को पंडाल के नीचे लाने का कार्य करेगा। सम्मेलन के लिए डाक्टर, इंजीनियरिंग एवं बिजनेस मेन युवाओं का पंजीयन किया गया है। साथ ही 25 परिवार ऐसे भी है जिनके शादी होने के बाद किसी कारणवश रिश्ते टूट गये है और उनका तलाक हो गया है और कुछ के जीवन साथी बिछूड गये है इनमे उदयपुर से प्रखर अग्रवाल, गाजियाबाद से नवीन अग्रवाल, रायपुर से संजीव अग्रवाल, आगरा से अभिषेक बंसल, युवती नेहा सिंघल, आदिस जैन, रूपा अग्रवाल, आरूषि अग्रवाल शामिल हैं।

महिलाओं का मुख्य आकर्षण आभूषण : साक्षी तंवर

- लाइम लाइट डायमंड का ग्वालियर में भी खुला स्टोर, प्रदेश में यह तीसरा शोरूम

ग्वालियर। संसार में ऐसी कोई महिला नहीं है जिसे ज्वैलरी न पसंद हों। अमूमन महिलाओं का मुख्य आकर्षण आभूषण ही होता है। जिसमें डायमंड हो तो बात और हर खास हो जाती है। यदि डायमंड के आभूषणों को सामान्य सी कीमत में आसानी से खरीदा जा सकें तो इससे अच्छा और क्या होगा। यह सब लाइम लाइट डायमंड ने कर दिखाया है। लाइम लाइट ने अपनी चमक और सामान्य दरों की खास पहचान के साथ ग्वालियर में इसका विस्तार किया है। यह बात अभिनेत्री साक्षी तंवर ने शनिवार को पत्रकारों से चर्चा करते हुये कहीं।

अभिनेत्री साक्षी तंवर शनिवार को होटल शेल्टर में लाइम लाइट स्टोर का उदघाटन करने के लिये ग्वालियर आई थी। अभिनेत्री तंवर ने पत्रकारों से चर्चा में कहा कि मेहनत व लगन के साथ साथ भाग्य का भी खेल होता है। फिर

भी हमें प्रयास करते रहना चाहिये। बिना कोशिश किये कुछ भी संभव नहीं है। हां निराशा सबसे बड़ा दुश्मन है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आजकल नई पीढ़ी मोबाइल फोन में पागल हो रही है। अतः फोन सब पर हावी हो चुका है। विशेषकर बच्चों को मोबाइल फोन से दूर रखिये। जिससे उनका शारीरिक व मानसिक सही ढंग से विकास हो सकें। इस अवसर पर ब्राण्ड के डायरेक्टर करम चावला और ब्राण्ड के रीजनल पार्टनर्स अतुल पाठक, दीप्ति पाठक भी मौजूद थे। ब्राण्ड डायरेक्टर श्री चावला ने बताया कि यह मध्यप्रदेश में तीसरा स्टोर है। ग्राहकों की पसंद को देखते हुये 15 प्रतिशत छूट भी दी जा रही है।

पटवारी के खिलाफ एफआईआर जनता की आवाज को दबाने का षड्यंत्र: डा. शर्मा

- मुंगवाली में धरना प्रदर्शन में शामिल होने बड़ी संख्या में ग्वालियर से कांग्रेसजन जाएंगे

ग्वालियर। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी के विरुद्ध पुलिस थाना मुंगावली में सत्ता पक्ष के दबाव में आकर पुलिस प्रशासन द्वारा की गई एफआईआर के विरोध में 8 जुलाई को मुंगावली (जिला अशोकनगर) में मप्र कांग्रेस कमेटी द्वारा विशाल जंगी प्रदर्शन किया जायेगा। इस प्रदर्शन में ग्वालियर से अधिक से अधिक संख्या में कांग्रेसजन भाग लेने जायेंगे। यह जानकारी जिला कांग्रेस अध्यक्ष कांग्रेस डॉ. देवेन्द्र शर्मा ने शुक्रवार को साधारण सभा की बैठक में दी।

कांग्रेस साधारण सभा की बैठक को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र शर्मा ने कहा कि आज हम यहाँ एक अत्यंत गंभीर और लोकतंत्र के लिए चिंताजनक विषय को

लेकर एकत्रित हुए हैं। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी पर सत्ता के दबाव में आकर पुलिस प्रशासन द्वारा थाना मुंगावली, जिला अशोकनगर में एफआईआर दर्ज की गई है। यह न केवल एक नेता के विरुद्ध अन्याय है, बल्कि यह संपूर्ण लोकतांत्रिक व्यवस्था और जनता की आवाज को दबाने का षड्यंत्र है। आज की यह लड़ाई केवल जीतू पटवारी जी की नहीं है। यह लड़ाई हम सभी की है, हर उस व्यक्ति की जो सच बोलता है, अन्याय के विरुद्ध खड़ा होता है और लोकतंत्र की रक्षा करता है। सरकारें आती-जाती हैं, लेकिन सत्य और न्याय को लंबे समय तक दबाया नहीं जा सकता। 8 जुलाई को मुंगावली में होने वाला जंगी प्रदर्शन इस अन्याय के खिलाफहमारी एकजुटता का परिचायक होगा। बैठक में पूर्व विधायक मदन कुशवाह, संगठन प्रभारी महराज सिंह पटेल, वीर सिंह तोमर, प्रदेश प्रवक्ता धर्मेन्द्र शर्मा, राजेन्द्र सिंह नाती, जेएच जाफरी, सरमन सिंह राय, संजय सिंह राठौर, हेवरन सिंह कंषाना, चर्तुभुज धनोलिया, जयराज सिंह, सुनील सिंह कुशवाह, वीरेन्द्र सिंह तौमर, सतीश मिश्रा, रशीद पहलवान, परमानंद रत्नाकर, अवनीश गौड., ओमप्रकाश राजपूत, जसवंत शेजवार, कुलदीप सिंह कौरव सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

लापरवाह वार्ड हेल्थ ऑफिसर कटारे को हटाया

ग्वालियर। स्वच्छता के कार्य में लापरवाही बरतने पर वार्ड 30 के वार्ड हेल्थ ऑफिसर देवेंद्र कटारे को निगम आयुक्त संघ प्रिय ने हटा दिया है। अब वह वार्ड 18 में सफाई संरक्षक होंगे। निगम आयुक्त संघ प्रिय के जारी आदेशानुसार वार्ड 30 में भ्रमण के दौरान वार्ड में मुख्य मार्गएवं डिवाइडरों पर गंदगी तथा भ्रमण के दौरान अनुपस्थित मिलने पर वार्ड 30 के वार्ड हेल्थ ऑफिसर देवेंद्र कटारे काकृत्य कार्य के प्रति गंभीर रूप से लापरवाही एवं उदासीनता बरती जाना दर्शाता है। इस कृत्य के लिये देवेन्द्र कटारे प्रभारी वार्ड हैल्थ ऑफिसर वार्ड क्रमांक 30 को तत्काल प्रभाव से स्थानांतरित करते हुये वार्ड क्रमांक 18 अन्तर्गत मूल पद विनियमित सफाई संरक्षक का कार्य करने हेतु पदस्थ किया गया है। साथ ही हेमराज चौहान विनियमित को वर्तमान दायित्व से मुक्त करते हुये वार्ड क्रमांक 30 के प्रभारी वार्ड हेल्थ ऑफिसर का दायित्व सौंपा है। इसके साथ ही जोनल हेल्थ ऑफिसर श्रीकृष्ण पाल मेहता को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

क्षेत्राधिकारियों के कार्य प्रभार में फेरबदल

निगम आयुक्त संघ प्रिय के आदेशानुसार कार्य सुविधा एवं प्रशासनिक दृष्टि से बुद्धप्रिय गौतम उपयंत्री क्षेत्राधिकारी क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 09 को वर्तमान कार्य से मुक्त करते हुये कार्यशाला विभाग में उपयंत्री कार्यशाला का दायित्व आगामी अन्य आदेश होने तक अस्थाई रूप से सौंपा जाता है। इसके साथ ही सुश्री छाया यादव उपयंत्री पी.आई.यू. को आगामी अन्य आदेश होने तक अस्थायी रूप से वर्तमान कार्य के साथ-साथ क्षेत्राधिकारी सह भवन निरीक्षक क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 09 का दायित्व दिया गया है। वहीं क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 1 के क्षेत्राधिकारी कार्तिक पटेल के अवकाश पर होने तक क्षेत्राधिकारी का प्रभार विशाल गर्ग को सौंपा गया है।

पुण्यतिथि पर स्वामी विवेकानंद को दी श्रंद्धाजलि

ग्वालियर। स्वामी विवेकानंद जी की 123वीं पुण्यतिथि पर भारत विकास परिषद मध्य भारत उत्तर प्रांत द्वारा चेतकपुरी विवेकानंद मूर्ति चौराहे पर पहुंचकर प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में रीजनल संयुक्त महासचिव अनूप अग्रवाल, प्रांतीय संयोजक ओमप्रकाश अग्रवाल, सह संयोजक रवि गर्ग, राजकुमार गर्ग फतेह बाबा, सुरेंद्र अग्रवाल, गोपालदास जैन, नंदकिशोर अग्रवाल, तुलसी दास वैश्य, रामनाथ अग्रवाल, जयजीव मिश्रा, अशोक हयारण, दिनेश चंद्र बंसल, केएल मंगल, आहूजा जी आदि शामिल थे।

श्री हंस विभू आश्रम में गुरु पूजा महोत्सव आज

ग्वालियर। गुरू शिष्य परम्परा के प्रमुख त्यौहार गुरू पूर्णिमा के पावन उपलक्ष्य में सदगुरुदेव सतपाल महाराज के लाखों शिष्यों द्वारा देशभर में श्री गुरु पूजा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में स्थानीय मानव उत्थान सेवा समिति द्वारा तानसेन रोड स्थित श्री हंस विभू आश्रम के सामने लोको पर स्थित रेलवे सामुदायिक भवन में भव्य श्री गुरु पूजा महोत्सव का आयोजन किया गया है। रामबाबू कटारे ने बताया कि रविवार को सुबह आठ बजे से आश्रम में पूजा अर्चना प्रारम्भ होगी। मध्यान्ह ग्यारह बजे से सत्संग प्रारंभ होगा, जिसमें साध्वी हरीशा बाई और साध्वी सोमाक्षी बाई के प्रवचन होंगे। समारोह में प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर भी उपस्थित रहेंगे। समिति की ओर से राजेश बंसल, मुरारी राजपूत, गौरव गुप्ता, दयाल जोशी, प्रकाश पटवा, रमेश भाई, गोपाल भाई, दिनेश कुशवाह, कैलाश जोशी, ओपी राय, संजय कटारे आदि ने सभी आध्यात्म प्रेमी बन्धुओं से कार्यक्रम में भाग लेने की अपील की है।

गुरु पूर्णिमा को हनुमान जी महाराज को गुरु मानकर होगी गुरु दीक्षा

ग्वालियर। संकट मोचन हनुमान बालाजी धाम मंदिर गोलपाड़ा के चरण सेवक जगबीर दास ने बताया कि 10 जुलाई गुरुवार को गुरु पूर्णिमा पर्व मंदिर प्रांगण में धूमधाम से मनाया जाएगा, जो भक्तजन सेवक जन हनुमान जी महाराज को अपना मानसिक गुरु बनाना चाहते हैं उनको सामूहिक रूप से हाथ में गंगाजल से भीगे चावल पुष्प लेकर दीक्षा संकल्प कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि माता-पिता शिक्षक प्रथम द्वितीय तृतीय गुरु जो हमें अनुभव के अनुसार शास्त्र के अनुसार शिक्षा देते हैं वह हमारे प्रथम द्वितीय तीसरे गुरु है, लेकिन वह उम्र और समय के हिसाब से साथ छोड़ जाते हैं इसलिए हमें हनुमान जी महाराज को मानसिक रूप से गुरु बनाना अपने जीवन को सदा सफल बनाना है जो जीवन पर्यंत हमारे साथ रहेंगे मानसिक रूप से मार्गदर्शन करेंगे हम हर कार्य यह सोचकर करेंगे मानकर करेंगे कि हमें हनुमान जी महाराज का मार्गदर्शन मिल रहा है। यह कार्यक्रम 10 जुलाई गुरुवार को शाम 7.30 बजे चौपाई पाठ से शुरू होगा और 8.30 बजे दीक्षा संकल्प होगा.। उसके पश्चात प्रसादी भंडारा होगा।

कैसे बचाएं वन एवं वन्य प्राणी को, प्रदेशभर से आए वन अधिकारियों ने लिया प्रशिक्षण

ग्वालियर। वन एवं वन्य प्राणी संरक्षण प्रबंधन विषय पर रिफ्रेशर प्रशिक्षण कार्यक्रम पन्ना टाइगर रिजर्व

में शनिवार को संपन्न हुआ। इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण में ग्वालियर वन वृत्त से वनपरिक्षेत्र अधिकारी शामिल हुए। जिसमें मुरैना से सहायक वन संरक्षक कुलदीप राजौरिया, ग्वालियर वन मंडल से वन क्षेत्रपाल सुखदेव शर्मा, दतिया से शैलेंद्र सिंह गुर्जर, मनीष शर्मा, भिंड से संजू सिंह, करतार सिंह भदौरिया, श्योपुर से राजकुमार कोहली सहित प्रदेश भर से 34 वन अधिकारी एवं कमर्चारी शामिल हुए। पन्ना टाइगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक सुश्री अंजना सुचिता तिर्की के निर्देशन और उपसंचालक मोहित सूद के मार्गदर्शन में सहायक संचालक डीके अहिरवार द्वारा हिनौता में विभिन्न वन मंडलों सागर, दतिया, ग्वालियर, श्योपुर भिन्ड मुरैना, पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ़ के कुल 34 वन अधिकारियों को वन एवं वन प्राणी प्रबंधन के तहत प्रशिक्षण दिया गया। प्रदेशभर के 34 वन अधिकारी एवं कर्मचारियों को तीन दिनों में वन्य जीव संरक्षण प्रबंधन, रेस्क्यू ऑपरेशन, कैमरा ट्रेपिंग, एमस्टाईब, पार्क इतिहास, घास मैदान पृबंधन, बाचटावर से निगरानी करना, ट्रांजिट लाईन निरीक्षण,पीआईपी बनाना आदि विभिन्न विषयों पर रिफ्रेशर कोर्स आयोजित किया गया। जिसके समापन पर क्षेत्र संचालक ने अपना उदबोधन दिया। साथ ही प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र, वन्य प्राणी के स्मृति चिन्ह प्रदान किये। अधिकारी, कर्मचारी अपने अपने कार्य क्षेत्र में प्रशिक्षण का ईम्पलीमेंटेशन करेंगे।

विप्रा संगनियों ने किया मस्ती धमाल, महिलाओं का हुआ सम्मान

ग्वालियर। विप्र ब्राह्मण महिला मंच की ओर से धमाल मस्ती कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मंच की अध्यक्ष डॉ. प्रतिभा चतुर्वेदी ने बताया कि सभी विप्रा संगनियों ने मस्ती भरे गेम खेले और बालीवुड गीतों पर डांस किया।

कार्यक्रम में सभी ने प्रोग्राम की थीम के तहत रंग बिरंगे मानसून परिधान पहने। सदस्य प्रियदर्शिनी शर्मा ने डांस कर समां बांधा। डॉ. चतुर्वेदी ने बताया कि इस पार्टी का उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं बल्कि आपसी मेलजोल, एकता और महिलाओं के सशक्तिकरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना भी था। कार्यक्रम के समापन पर सराहनीय कार्य के लिए अर्चना शर्मा, रश्मि त्रिपाठी, दीप्ति शर्मा व नीतू उपमन्यु आदि महिलाओं को सम्मान दिया गया। आभार डॉ. राजरानी शर्मा ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में श्रुति उपाध्याय, विभा

शुक्ला, शालिनी चतुर्वेदी, ज्योति शर्मा, रंजना शर्मा, पल्लवी शर्मा, शैलजा मिश्रा, निधि भार्गव, कृष्णा विश्राम शर्मा, किरण मिश्रा, कविता शर्मा, सीमा दुबे, सपना पाराशर, मुनमुन शुक्ला, हिना शर्मा, मंजू शर्मा, माला शर्मा, गीता शर्मा, रेनू शर्मा, आभा शर्मा, अनीता देपुरिया, कल्पना ऋषीश्वर, स्मिता दीक्षित, संगीता शर्मा, रजनी शर्मा, प्रज्ञा कविश्वर, सुमन तिवारी, श्वेता स्वामी, मायरा, नित्या आदि उपस्थित रहीं।

नाबालिग से बलात्कार के दोषी को 20 साल की सजा

ग्वालियर। विशेष सत्र न्यायालय ने नाबालिग के दुष्कर्मी हरिओम गौर को सबूत और गवाहों के आधार पर 20 साल की सजा सुनाते हुए दंडित किया है। न्यायालय ने पीड़िता व उसके माता-पिता को 2 लाख रुपए प्रतिकर सहायता दिए जाने का भी आदेश दिया है। न्यायालय द्वारा सजा सुनने के बाद पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर जेल भेज दिया है।

विशेष लोक अभियोजक अनिल कुमार मिश्रा ने बताया कि पीड़िता ने 19 मार्च 2023 को थाना बहोडापुर में शिकायत करते हुए बताया था कि उसकी उम्र 16 वर्ष है और वह कक्षा 9वीं में पढ़ती है। आरोपी उसके रिश्ते में जीजा लगता है। आरोपी का उनके घर आना जाना था। जीजा होने के रिश्ते से उससे सामान्य हंसी मजाक करते थे, लेकिन धीरे धीरे आरोपी ने उसके साथ अश्लील हरकत करना शुरू कर दिया था। यही नहीं जब घर पर कोई नहीं होता था तो वह उसके घर पर आ जाते थे और उससे अश्लील बातें करने लगते थे। 20 नवंबर 2022 को उसे फोन कर रात करीबन 11 बजे गोदाम पर बुलाया। उसके साथ बलात्कार किया था। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म पॉक्सो एक्ट सहित अन्य धरा के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया था।

भाजपा डॉ मुखर्जी को आज पुष्पांजलि अर्पित करेगी

ग्वालियर। भाजपा के प्रेरणा पुरुष एवं जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की जयंती पर भाजपा ग्वालियर महानगर आज 6 जुलाई को प्रातः 9 बजे फूलबाग स्थित डॉ मुखर्जी जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करेगी। वहीं कार्यकर्ता कार्यक्रम के पश्चात अपने अपने बूथों पर प्रातः 10 बजे श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे। यह जानकारी भाजपा जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया ने दी है।

बाबू जगजीवनराम की 39वीं पुण्यतिथि आज

पूर्व उपप्रधानमंत्री बाबू जगजीवन राम की 39वीं पुण्यतिथि आज 6 जुलाई को है। श्रीमती गायत्री सुधीर मण्डेलिया ने बताया कि बाबू जी की पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन रविवार को प्रातः 9.30 बजे समता पार्क फूलबाग स्थित प्रतिमा स्थल पर किया गया है। जिसमें विभिन्न सामाजिक, राजनैतिक, समतावादी संगठन बाबूजी को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

संपादकीय

दिल्ली का दम घुटा जा रहा, जनता सांस मांग रही, सरकार का जवाब - पुरानी गाड़ी हटाओ

दिल्ली और अन्य महानगरों में प्रदूषण की समस्या जिस स्तर पर गहराती गई है, उसमें इस पर काबू पाने के लिए किए जाने वाले उपायों से शायद ही किसी को असहमति होगी। विडंबना यह है कि कई बार किसी समस्या से पार पाने के लिए जिन उपायों का सहारा लिया जाता है, उसकी व्यावहारिकता कठघरे में होती है। दिल्ली में हर अगले साल प्रदूषण के गहराते संकट के सबसे बड़े कारणों में एक वाहनों से होने वाले उत्सर्जन को माना गया और इस आधार पर पिछले कुछ वर्षों से सम-विषम जैसे नियम लागू कर वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित करने की कोशिश की गई। इसके अलावा, पुराने वाहनों को सड़कों से हटाने को लेकर नियम-कायदे बनाए गए। हालांकि इसके अपेक्षित नतीजे को लेकर हमेशा संशय रहा। गौरतलब है कि दिल्ली में कुछ दिन पहले यह घोषणा की गई कि पंद्रह वर्ष पुराने पेट्रोल और दस वर्ष पुराने डीजल वाहनों को ईंधन नहीं मिलेगा। साथ ही पेट्रोल पंप पर पुरानी गाड़ियों को जब्त किया जा रहा था। जाहिर है, एक साथ बड़ी तादाद में वाहनों के सड़कों से हटाने की नौबत आने पर आम लोगों के बीच व्यापक पैमाने पर आक्रोश का भाव पैदा हुआ और सरकार के इस फैसले पर सवाल उठे कि क्या अकेले इस उपाय से दिल्ली में प्रदूषण की समस्या को खत्म किया जा सकता है। इससे बड़ी संख्या में लोगों की आजीविका भी प्रभावित हो सकती है। सरकार के पास इसका कोई ठोस जवाब नहीं है। यह बेवजह नहीं है कि गुरुवार को दिल्ली सरकार ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को पत्र लिख कर कहा कि तकनीकी चुनौतियों और जटिल प्रणाली के कारण तय मियाद पूरी कर चुके वाहनों पर ईंधन प्रतिबंध लगाना व्यावहारिक नहीं है। यानी फिलहाल पुराने वाहनों को सड़कों से हटाने की कवायद थमती दिख रही है। हालांकि इसे लेकर आम लोगों के बीच जैसी प्रतिक्रिया सामने आई, उसके बाद यह देखने की बात होगी कि इस मसले पर सरकार क्या रुख अपनाती है। माना जाता है कि तकनीकी रूप से पुराने, अधिक ईंधन खपत करने और खराब रखरखाव वाले वाहनों से प्रदूषण ज्यादा फैलता है और ऐसी स्थिति में ऐसे वाहन पर्यावरण और लोगों की सेहत के लिए जोखिम भरे हो सकते हैं। मगर ऐसे सवाल भी उठते रहे हैं कि प्रदूषण फैलाने के लिए किसी वाहन की उम्र को पैमाना माना जाना चाहिए या फिर प्रदूषित पदार्थ उत्सर्जित करने की जांच के आधार पर वाहन के दुरुस्त होने के बारे में तय किया जाएगा। अगर कोई पुराना वाहन पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य के लिहाज से पूरी तरह सुरक्षित है, तो उसकी उम्र को ही अकेला मानदंड क्यों बनाया जाना चाहिए? जहां तक दिल्ली का सवाल है, यह न केवल अन्य राज्यों के कुछ शहरों को मिला कर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के रूप में जाना जाता है, बल्कि दिल्ली के अलावा अन्य शहरों में पुराने वाहनों को लेकर अलग नियम हैं। साथ ही दिल्ली में आसपास के राज्यों से हर रोज ऐसे हजारों वाहन आते-जाते हैं, जो पुराने हो सकते हैं, हालांकि उन्हें दूसरे राज्यों में प्रदूषण जांच के पैमाने पर दुरुस्त माना जाता है। शायद इसीलिए ऐसे सवाल उठते रहे हैं कि जिन वाहनों को दूसरे राज्यों या इलाकों में प्रदूषण फैलाने की कसौटी पर सुरक्षित माना जाता है, उन्हें दिल्ली के लिए मुसीबत क्यों माना जाना चाहिए! या फिर अन्य राज्यों के वाहनों के लिए अलग नियम कैसे सही हैं! निश्चित रूप से प्रदूषण एक गंभीर समस्या है। मगर इससे निपटने के तौर-तरीकों में अगर विरोधाभास होगा तो उसकी व्यावहारिकता कसौटी पर रहेगी।

अब एआई के हवाले जिंदगी, टेक्नोलॉजी बन गई है सांस, ऐसे में बेचैन मन को शांति कहां मिले? ऐप्स की दुनिया में इंसान अकेला

"इन दिनों जब पूरी दुनिया युद्ध की दहशत से अभिशप्त दिखती है तो फिर अमन की तलाश में कौन से रास्ते तलाश किए जाएं, ताकि मानव जीवन सुरक्षित रह सके? असल में यही है जिंदगी के लिए शांति की अंतर्दृष्टि का वह आयाम जो जिंदगी को संतुष्टि के साथ शांति के मार्ग पर चलते हुए नई अंतर्दृष्टियों के नए इंद्रधनुषों को खोलता है। शांति की अंतर्दृष्टि का सीधा अर्थ है जीवन में शांति की गहराई को समझना और जीने के नेतृत्व तथा प्रभावों को जानना। मगर यह उन स्थितियों पर निर्भर करता है कि जिस समाज में हम जी रहे हैं, उसमें सामाजिक आर्थिक और मानव प्रकृतियों की प्रक्रिया कैसी है।"

आज दुनिया विरोधाभास, नए उपभोक्तावाद और आभासी संसार की नई परिकल्पना से नहीं, उसके डरावने यथार्थ से जूझ रही है। मन-मस्तिष्क की शांति और आत्मचिंतन की अंतर्दृष्टि ही इससे बचाव का रास्ता है जो हमें शांति समृद्धि और उस सुख की ओर ले जा सकता है, जिसमें जीवन की खोज में जिंदगी बची रहे। इन दिनों जब पूरी दुनिया युद्ध की दहशत से अभिशप्त दिखती है तो फिर अमन की तलाश में कौन से रास्ते तलाश किए जाएं, ताकि मानव जीवन सुरक्षित रह सके? असल में यही है जिंदगी के लिए शांति की अंतर्दृष्टि का वह आयाम जो जिंदगी को संतुष्टि के साथ शांति के मार्ग पर चलते हुए नई अंतर्दृष्टियों के नए इंद्रधनुषों को खोलता है। शांति की अंतर्दृष्टि का सीधा अर्थ है जीवन में शांति की गहराई को समझना और जीने के नेतृत्व तथा प्रभावों को जानना। मगर यह उन स्थितियों पर निर्भर करता है कि जिस समाज में हम जी रहे हैं, उसमें सामाजिक आर्थिक और मानव प्रकृतियों की प्रक्रिया कैसी है। वर्तमान समय में जिस तरह आज नई तकनीक और सूचना प्रौद्योगिकी के चलते हर तरह की कृत्रिम बुद्धिमत्ता का वातावरण आदमी को चौबीस घंटों नियंत्रित करने लगा है, उसके लिए यह अति आवश्यक हो गया है कि आज हम अपनी जिंदगी यानी अपनी सांसों को अपने दिल और अपने मन मस्तिष्क को थोड़ा ठहराव प्रदान करने और शोर के इस माहौल को रोकने के लिए शांति की तलाश के वे तरीके तलाशें, जहां शांति का उपवन हो, जिंदगी का शांतिपूर्ण माहौल हो। यह सच है कि आज हमारे जीने के क्रम और जीवन का रास्ता बिखर गया है। इन दिनों हमारी शांति की दुआओं के मद्देनजर बदलती हुई दुनिया और जिंदगी की अंतर्दृष्टि के कई विभिन्न पहलू हो सकते हैं और मन की शांति हमारे तनाव को कम कर सकती है। भारतीय संस्कृति की ध्यान प्रेक्षा में जीवन में प्राथमिक आवश्यकता आत्मचिंतन अंतर्दृष्टि को ही बताया गया है, लेकिन सामाजिक और आत्मिक शांति इन दिनों जिस तरह से बदल रही दुनिया में एक नई दुनिया का नया स्वरूप अब हमारे सामने परिलक्षित है, वहां पर अंतरराष्ट्रीय शांति के संघर्ष और जड़ों के बजाय जिंदगी को बचाने का प्रयास कहां किया जाए। यह भी सच है कि इन दिनों विश्व में हमने जिस तरह से जंगल, जल और वायु को प्रदूषित किया है, वह आने वाले वर्षों में हमारे उस प्रश्न पर झगड़ों का कारण बनेगा। इसमें असली लड़ाई अब सांसों के लिए वायु प्राण की शांति में जीने की लालसा में होगी। जल की बूंद-बूंद के लिए लड़ाई के मुहाने पर पहुंचा हुआ विश्व शांति और युद्ध के बीच क्या चुनना चाहता है? दरअसल, जिस दुनिया में हम जी रहे हैं, वह जटिल, विरोधाभासी और परस्पर छोटे युद्ध तथा नफरती बयार से भर गई है। यह तब हो रहा है, जब पूरी दुनिया ज्ञान के नए आकाश को छू रही है। इस आसमान में आदमी प्रकृति तथा ब्रह्मांड के भेद को तो भेदना तो चाह रहा है, पर उसने अपनी भंग शांति में सब कुछ खो दिया है। संघर्षों के कर्म को समझना जीने के नए रास्तों को तय करने और ध्यान, योग की प्रवीण प्रवृत्तियों को सहज पूर्णता के कारण एक नई संस्कृतियों के दौर को स्वीकार करने, सम्मान करने तथा शांति से जीने की एक परंपरा हमारे समाज में है। यही समाज की खूबसूरती है, जिसमें विभिन्न समुदायों और विभिन्न रंग-रूप तथा भाषाओं के रंग-बिरंगे संजाल में लोग सदियों से रह रहे हैं। यह अलग बात है कि गुलामी का भाव अपने जीने के अस्तित्व और युद्ध के दर्शन ने हमेशा इस धरती पर शांति को तार-तार किया है, लेकिन भारतीय जनमानस में करुणा, सहानुभूति, आत्म जागरूकता, विचारों तथा भावनाओं को ध्यान के जरिए नियंत्रित करना दरअसल शांति के लिए आत्म चिंतन की दूरदृष्टि है। इसको समझने की आज जितनी आवश्यकता है और शांति की प्रासंगिकता के अर्थ जितने प्रासंगिक आज हैं, उतने पहले कभी भी नहीं हुए थे। असल में अपने विचारों को खुले से प्रस्तुत कर रहे संवाद पर शांतिपूर्ण तरीके से आत्म चिंतन करना इस दुनिया को तथा बदलते समाज को नई संभावनाओं से भर सकता है। शांति की गहराई में अंतर्दृष्टि की एक बहुआयामी अवधारणा व्यक्ति समाज और दुनिया के लिए इन दिनों अति महत्त्वपूर्ण है। यही एक ऐसा रास्ता है जो आत्मचिंतन को स्थिर करते हुए नए जीवन की अंतर्दृष्टियों के साथ चलते हुए हमें एक बेहतर कल की पीढ़ी के लिए एक सुंदर दुनिया की रूपरेखा तथा नई संरचना की ओर ले जा सकता है। हमारे यहां सभी धर्मों-परंपराओं में शांति का बखान है और सभी के लिए एक अरदास की आत्म दृष्टि और सकारात्मक जीने का खुला हुआ रास्ता है। एक ऐसा भाईचारा और ऐसी परिकल्पना का 'जोग-संजोग' का शांति-समय है, लेकिन यह भी सच है कि इस अंतर्दृष्टि में शांति पाने के जितने तरीके हमारे इतिहास और शास्त्रों में दर्शाए गए हैं, उनमें मन को संभालने के सवालों को ध्यान में सुलझा दिया गया है। इन दिनों दुनिया में जो कुछ हो रहा है, वह अंतर्मुखी होकर अपने अहंकार से मुक्त आदमी को इस तेज भागते हुए विश्व की नई परिकल्पना में शांति की गुंजाइश से भर सकता है। यही जीवन जीने की एक नई दिशा का रास्ता है। आज दुनिया विरोधाभास, नए उपभोक्तावाद और आभासी दुनिया की नई परिकल्पना से नहीं, उसके डरावने यथार्थ से जूझ रही है। मन-मस्तिष्क की शांति और आत्मचिंतन की अंतर्दृष्टि ही इससे बचाव का रास्ता है जो हमें शांति समृद्धि और उस सुख की ओर ले जा सकता है, जिसमें जीवन की खोज में जिंदगी बची रहे। यही सवाल आज सबसे बड़ा है, जिसके लिए यह कोशिशें पूरी दुनिया में हो रही हैं, ताकि जिंदगी को युद्ध की तबाही से बचाया जा सके और आत्मचिंतन की शांति की अंतर्दृष्टि से आने वाली नस्लों के लिए इस रंग-बिरंगे विश्व को सुरक्षित रखा जा सके।

विश्व शांति के लिए भी खतरा है पाकिस्तान, सामने आई पड़ोसी देश की मंशा

पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने भारत-पाकिस्तान के संबंधों को प्रभावित किया है। हमले में पर्यटकों की धार्मिक पहचान पूछकर हत्या की गई। लश्कर के संगठन टीआरएफ ने इसकी जिम्मेदारी ली। इस घटना का उद्देश्य जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था को अस्थिर करना था। भारत ने आर्थिक और कूटनीतिक कदम उठाकर पाकिस्तान को जवाब दिया। पहलगाम के आतंकी हमले ने द्विपक्षीय समीकरण ही नहीं, बल्कि समूचे दक्षिण एशिया में संबंधों के तानेबाने को प्रभावित किया है। इस हमले ने आतंक की नीति को जारी रखने वाली पाकिस्तानी मंशा को प्रकट किया था। पर्यटकों से उनकी मजहबी पहचान पूछकर की गई हत्याओं को लश्कर के पिट्ठू संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट यानी टीआरएफ ने अंजाम दिया। इसे केवल एक नरसंहार के रूप में न देखा जाए। यह भू-राजनीतिक उकसावे की एक सुनियोजित कार्रवाई थी। इसने जहां आतंक को पालने-पोसने वाले पाकिस्तान के कलंकित इतिहास को दोहराया, वहीं इसके पीछे की एक मंशा जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा ढांचे को अस्थिर करने की भी थी। वैश्विक निगरानी और अंतरराष्ट्रीय दबाव के बावजूद पाकिस्तान ने अपनी जमीन पर संचालित आतंकी ढांचे को समाप्त नहीं किया है। पहलगाम हमला भी उसी पुराने ढर्रे पर किया गया, जहां सेना-आइएसआइ की आतंकी करतूत से इस्लामाबाद ने आदतन किनारा कर लिया। इसमें किसी को कोई संदेह नहीं हो सकता कि पाकिस्तान के शीर्ष नेतृत्व की हरी झंडी के बिना ऐसे किसी हमले को अंजाम दिया गया होगा। पहलगाम हमले के बाद भारत ने आर्थिक, कूटनीतिक और सामरिक मोर्चों पर बहुत कारगर कदम उठाए और पाकिस्तान को करारा जवाब दिया। दूसरी ओर, पाकिस्तान लकीर पीटने वाले ढर्रे पर चलते हुए बस शेखी बघारता रहा। भारत ने जहां सिंधु जल समझौते को ठंडे बस्ते में डालकर पाकिस्तान और उसकी आर्थिकी की कमर तोड़ने वाला दांव चला, वहीं पाकिस्तान शिमला समझौते से पीछे हटने का निरर्थक राग अलापता रहा। कश्मीर में दशकों की अस्थिरता से उबरते हुए पटरी पर आ रही पर्यटन गतिविधियां आतंकी हमले के बाद फिर से अनिश्चितता के भंवर में फंस गई हैं। हालांकि इसका आर्थिक खामियाजा जम्मू-कश्मीर से परे समूचे दक्षिण एशिया को भुगतना पड़ रहा है। इस पृष्ठभूमि में भारत-पाकिस्तान, दोनों ने व्यापार, निवेश और वीजा आदि के मोर्चे पर जो कदम उठाए हैं, उससे क्षेत्रीय सहयोग के साथ ही आर्थिक-व्यापारिक गतिविधियों पर भी ग्रहण लगा है। इस तरह एक देश की आतंक समर्थक नीतियों की कीमत पूरे क्षेत्र को अपनी शांति एवं समृद्धि गंवाने के रूप में चुकानी पड़ रही है। यहां तक कि पाकिस्तान के इस रवैये का दंश वहां की जनता को भी भुगतना पड़ रहा है। उसे फर्जी राष्ट्रवाद की घुट्टी पिलाई जा रही है। भले ही पाकिस्तान खुद को आतंक से पीड़ित दिखाने का प्रयास करता रहे, लेकिन उसकी पहचान आतंक से निपटने में शिथिलता दिखाने वाले देश की ही है। करीब ढाई माह पुराने पहलगाम हमले ने आतंकी गतिविधियों के मामले में पाकिस्तान को लेकर अंतरराष्ट्रीय चिंताओं को नए सिरे से उभारने का काम किया है। पूर्व में पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट में रखने वाली एफएटीएफ जैसी संस्था के समक्ष भी पाकिस्तान पर अंकुश लगाने का दबाव बढ़ेगा। इससे पाकिस्तान की छवि और खराब होगी। आर्थिक निवेश और विकास को लेकर उसकी उम्मीदों को पलीता लगेगा। पहलगाम हमला पाकिस्तान के आतंकी चरित्र में एक खतरनाक बदलाव का भी परिचायक है। 2001 की शुरुआत से पाकिस्तान पोषित आतंकियों ने मुख्य रूप से जम्मू क्षेत्र को निशाना बनाते हुए सैन्य बलों पर ही हमले किए। अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद पहलगाम हमला कश्मीर में हुई पहली बड़ी आतंकी वारदात रही। हिंदुओं को निशाना बनाने के पीछे भी कुत्सित सोच एकदम स्पष्ट रहा कि देश में सामाजिक वैमनस्य बढ़े और कश्मीर में सरकार का विकास एजेंडा पटरी से उतरे। भारत ने इसे बखूबी समझा। इसका असर हमले के बाद की प्रतिक्रिया में भी झलका। भारत ने बहुस्तरीय रणनीति अपनाते हुए खुफिया मोर्चे को और चाकचौबंद किया, जमीनी स्तर पर सुरक्षाकर्मियों की तैनाती बढ़ाई और किसी भी संभावित आतंकी हमले को निस्तेज करने के लिए अभियान तेज किए, विशेष तौर पर अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा को लेकर। चूंकि जम्मू-कश्मीर में अभी भी सैकड़ों पाकिस्तान समर्थक आतंकी सक्रिय हैं, इसलिए सुरक्षा बलों की चुनौती काफी कड़ी होने वाली है। इस समय भले ही दोनों देशों के बीच युद्धविराम जैसी स्थिति हो, लेकिन पाकिस्तान अपने आतंकी पिट्ठुओं को एक रणनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल करता रहेगा। भारत ने जिस तरह सिंधु जल समझौते को स्थगित रखने की दृढ़ता दिखाई है, उसके चलते इसकी भरी-पूरी आशंका है कि आतंकी जम्मू-कश्मीर में किसी अहम इन्फ्रास्ट्रक्चर ढांचे को निशाना बनाएं ताकि भारत सरकार कुछ दबाव में आए और कश्मीर का मुद्दा अंतरराष्ट्रीय पटल पर छाए। भारत ने इरादे एकदम स्पष्ट कर दिए हैं कि भविष्य में कोई आतंकी हमला युद्ध के लिए उकसाने वाले कृत्य के रूप में देखा जाएगा। किसी हमले की सूरत में दोनों देश फिर से आमने-सामने आ सकते हैं। यह भी एक पहलू है जो पाकिस्तान की नापाक कश्मीर नीति से जुड़ा है। भारत के दृष्टिकोण से पहलगाम हमला केवल एक त्रासदी भर नहीं, बल्कि एक निर्णायक मोड़ रहा। ऐसा मोड़, जिसने भविष्य में किसी भी पाकिस्तानी आतंकी कृत्य से निपटने की उसकी दिशा को निर्धारित किया है। पाकिस्तान के आतंकी चरित्र ने न केवल दक्षिण एशिया की शांति में खलल डाला है, बल्कि वैश्विक सुरक्षा के लिए भी वह नासूर बन गया है। उसके साथ कूटनीतिक सक्रियता का समय भी अब निकल गया। पाकिस्तान में सक्रिय आतंकी ढांचे को ध्वस्त किए बिना दक्षिण एशिया में शांति संभव नहीं। समय आ गया है कि पाकिस्तान को केवल पहलगाम के लिए ही नहीं, बल्कि दशकों से चले आ रहे छद्म युद्ध में गंवाई हर एक जान के लिए जिम्मेदार और जवाबदेह बनाकर न्याय के कठघरे में खड़ा किया जाए।

डिलीवरी एजेंट बनकर घर में घुसा, लड़की से बलात्कार किया और बोला- फिर आऊंगा, किसी को बताया तो फोटो वायरल कर दूंगा

महाराष्ट्र के पुणे में खुद को 'कूरियर डिलीवरी एजेंट' बता कर एक व्यक्ति ने जिस तरह के अपराध को अंजाम दिया, उसने शहरों-महानगरों में विकसित हो रही एक नई आपराधिक शैली को लेकर सबको चिंता में डाला है। गौरतलब है कि एक अज्ञात व्यक्ति ने खुद को सामान पहुंचाने वाला बताया और इस बहाने एक युवती के घर में घुस कर उससे बलात्कार किया। यही नहीं, उसने जबरन पीड़ित युवती के साथ अपनी तस्वीर ली और किसी को बताने पर उसे सब जगह प्रसारित कर देने और दोबारा आने की धमकी दी।

पुणे की आइटी पेशेवर युवती से बलात्कार करने वाला जब यह कहता है कि वह दोबारा आएगा, तो इससे साबित होता है कि आपराधिक मानसिकता के किसी व्यक्ति का दुस्साहस स्त्रियों के खिलाफ मनमानी करने से आगे बढ़ कर उनके आत्मसम्मान को गहरी ठेस पहुंचाने तक पहुंच गया है। महाराष्ट्र के पुणे में खुद को 'कूरियर डिलीवरी एजेंट' बता कर एक व्यक्ति ने जिस तरह के अपराध को अंजाम दिया, उसने शहरों-महानगरों में विकसित हो रही एक नई आपराधिक शैली को लेकर सबको चिंता में डाला है। गौरतलब है कि एक अज्ञात व्यक्ति ने खुद को सामान पहुंचाने वाला बताया और इस बहाने एक युवती के घर में घुस कर उससे बलात्कार किया। यही नहीं, उसने जबरन पीड़ित युवती के साथ अपनी तस्वीर ली और किसी को बताने पर उसे सब जगह प्रसारित कर देने और दोबारा आने की धमकी दी। इस घटना ने कोई काम करने या सामान पहुंचाने घर में आने वाले लोगों को लेकर एक नई आशंका खड़ी कर दी है। ऐसा लगता है कि किसी बेहद सुरक्षित मानी जाने वाली जगह पर भी आपराधिक मानसिकता वाले व्यक्ति की पहुंच हो सकती है या फिर कोई अचानक अपराधी की शक्ल में तब्दील हो सकता है। अस्पताल के सघन चिकित्सा कक्ष में उपचाराधीन युवती का कोई कैसे यौन उत्पीड़न करने का साहस कर लेता है?

पुणे की आइटी पेशेवर युवती से बलात्कार करने वाला जब यह कहता है कि वह दोबारा आएगा, तो इससे साबित होता है कि आपराधिक मानसिकता के किसी व्यक्ति का दुस्साहस स्त्रियों के खिलाफ मनमानी करने से आगे बढ़ कर उनके आत्मसम्मान को गहरी ठेस पहुंचाने तक पहुंच गया है। यह न केवल कानून व्यवस्था के नाकाम होने का सबूत है, बल्कि हमारी सामाजिक जागरूकता भी कठघरे में है। यह कोई छिपा तथ्य नहीं है कि यौन हिंसा के ज्यादातर मामलों में इंसाफ मिलने की हकीकत क्या है। ग्रामीण इलाकों में आमतौर पर ऐसे मामलों को दबाने और रफा-दफा करने की कोशिश होती है। ऐसे में अपराधियों का दुस्साहस बढ़ता है। जबकि महिलाओं के लिए अपने खिलाफ ऐसे अपराध छिपाने का मामला नहीं होना चाहिए। अधिकतर अपराधी स्त्री की इसी भावनात्मक कमजोरी का फायदा उठाते हैं। पिछले कुछ वर्षों से महिलाओं के यौन उत्पीड़न का वीडियो बना कर उसे प्रसारित कर देने और पीड़िता को मुंह बंद रखने की धमकी देने की घटनाएं सामने आने लगी हैं। यह नई आपराधिक प्रवृत्ति है, जिससे निपटने के लिए ऐसे अपराध के खिलाफ मुखर होना पड़ेगा।

घटिया निर्माण का नतीजा, सरकारों को ध्यान देने की जरूरत

हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में बादल फटने से जो जन-धन हानि हुई, वह यही बता रही है कि अपने देश में और विशेष रूप से पर्वतीय इलाकों में बरसात के दिनों में कैसी विषम परिस्थितियां पैदा हो जाती हैं। ये केवल इसलिए नहीं पैदा होतीं कि ज्यादा वर्षा हो गई, बाढ़ आ गई या भूस्खलन हो गया। ऐसी परिस्थितियां इसलिए भी पैदा होती हैं, क्योंकि सरकारी एवं गैर सरकारी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता का स्तर बहुत घटिया है।

हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में बादल फटने से हुई क्षति दर्शाती है कि पर्वतीय क्षेत्रों में बरसात में विषम हालात पैदा होते हैं। सरकारी और गैर-सरकारी निर्माण कार्यों की घटिया गुणवत्ता इसका मुख्य कारण है जिस पर राज्य और केंद्र सरकारें ध्यान नहीं दे रहीं। बुनियादी ढांचे के निर्माण में मानकों का पालन न करने से हादसे होते रहेंगे और दोष प्रकृति पर डाला जाएगा। हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में बादल फटने से जो जन-धन हानि हुई, वह यही बता रही है कि अपने देश में और विशेष रूप से पर्वतीय इलाकों में बरसात के दिनों में कैसी विषम परिस्थितियां पैदा हो जाती हैं। ये केवल इसलिए नहीं पैदा होतीं कि ज्यादा वर्षा हो गई, बाढ़ आ गई या भूस्खलन हो गया। ऐसी परिस्थितियां इसलिए भी पैदा होती हैं, क्योंकि सरकारी एवं गैर सरकारी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता का स्तर बहुत ही घटिया है। इस पर न तो राज्य सरकारें गंभीरता से ध्यान दे रही हैं और न ही केंद्र सरकार, जिसकी कई परियोजनाएं राज्यों में जारी रहती हैं। ऐसा लगता है कि किसी का इस पर ध्यान ही नहीं कि यदि बुनियादी ढांचे से जुड़े निर्माण की गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया जाएगा तो जैसा हादसा मंडी अथवा शिमला में हुआ, वैसे होते ही रहेंगे और उनका दोष प्रकृति पर मढ़कर कर्तव्य की इतिश्री कर ली जाएगी। बात केवल हिमाचल की ही नहीं है, उत्तराखंड में भी कुछ स्थानों पर भूस्खलन होने से तीर्थयात्री संकट में पड़े हैं। आने वाले दिनों में इस तरह के दुखद समाचार रह-रहकर देखने-सुनने को मिल सकते हैं। ऐसे समाचार देश के गैर पर्वतीय राज्यों से भी आएंगे, क्योंकि तनिक सी बरसात बुनियादी ढांचे के निर्माण की पोल खोलने का काम करती है। पोल मुंबई जैसे महानगरों के शहरी ढांचे की भी खुलती है और देश की राजधानी दिल्ली की भी। इसका कोई मतलब नहीं कि हम बार-बार विकसित भारत की बात करें, लेकिन सरकारी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की अनदेखी करें और मानक होते हुए भी उनका पालन न करें। इस तरह से तो हम विकसित देश नहीं बन सकते। ज्यादा बारिश, भूस्खलन आदि की घटनाएं विकसित देशों में भी होती हैं, लेकिन वहां सरकारी एवं निजी लोगों की ओर से कराए गए निर्माण कार्य की गुणवत्ता बेहतर होती है। इसीलिए वहां हादसे और उनमें जान गंवाने वाले लोगों की संख्या कम होती है। पता नहीं क्यों हम विकसित देशों से कुछ सीखने से क्यों इन्कार कर रहे हैं? इस इन्कार के लिए राज्यों और केंद्र सरकारों के साथ उनकी नौकरशाही सीधे तौर पर जिम्मेदार है। बुनियादी ढांचे के निर्माण से जुड़े सरकारी विभाग भयंकर किस्म के भ्रष्टाचार से ग्रस्त हैं। इसी कारण नए बने भवन में लीकेज होने लगता है और पुल उद्घाटन से पहले ही ढह जाते हैं। इस सच से पहले के नीति नियंता भी अवगत थे और वर्तमान के भी। अच्छा हो कि वे चेत जाएं और निर्माण कार्यों के लिए बनाए गए मानकों का पालन सुनिश्चित कराएं। इससे ही सरकारी के साथ-साथ निजी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता भी सुधरेगी। समझना कठिन है कि इस जरूरी काम को प्राथमिकता देने में क्या कठिनाई है?

गुकेश ने जाग्रेब सुपरयूनाइटेड रैपिड चेस खिताब जीता

अमेरिकी प्लेयर वेस्ली सो को 36 चालों में मात दी, 18 में से 14 पॉइंट हासिल किए

नई दिल्ली। क्रोएशिया के जाग्रेब में चल रहे सुपरयूनाइटेड रैपिड एंड ब्लिट्ज टूर्नामेंट में भारतीय शतरंज खिलाड़ी डी गुकेश ने रैपिड खिताब जीत लिया है।

यह टूर्नामेंट ग्रैंड चेस टूर 2025 का हिस्सा है और गुकेश ने रैपिड फॉर्मेट में 18 में से 14 पॉइंट अर्जित करके खिताब अपने नाम किया।

गुकेश ने आखिरी राउंड में अमेरिकी खिलाड़ी वेस्ली सो को 36 चालों में हराकर रैपिड खिताब अपने नाम किया। गुकेश ने टूर्नामेंट में 9 मुकाबलों में से 6 में जीत हासिल की, 2 ड्रॉ रहे और एक में उन्हें हार का सामना करना पड़ाटूर्नामेंट में पहला मुकाबला हार गए थे गुकेश गुकेश को टूर्नामेंट के पहले ही मुकाबले में पोलैंड के जान-क्रिस्टॉफ डूडा ने 59 चालों में मात दी थी। इसके बाद गुकेश ने वापसी की।

उन्होंने फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा और भारत के प्रगनानंद को हराया।गुकेश ने टूर्नामेंट के चौथे राउंड में उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव और पांचवें राउंड में अमेरिका के फेबियानो कारुआना को हराया था।

छठे राउंड में गुकेश का मुकाबला नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन से हुआ, जिसमें भारतीय ग्रैंडमास्टर ने जीत हासिल की। गुकेश ने कार्लसन को एक महीने के अंदर दूसरी बार हराया है। गुकेश ने कार्लसन को 2 जून को नॉर्वे चेस टूर्नामेंट में भी हराया था।

दूसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को 45 रन की बढ़त वेस्टइंडीज पहली पारी में 253 रन पर ऑल आउट

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज की टीम शुक्रवार को ग्रेनेडा में दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में 253 रन पर ऑलआउट हो गई। नाथन लायन ने 3 विकेट लिए। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक कैरेबियाई टीम ऑस्ट्रेलिया से 45 रन पीछे हैं। वहीं, ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में 2 विकेट खोकर 12 रन बना लिए हैं। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 286 रन बनाए थे।

सैम कोंस्टास बिना रन बनाए लौटे सैम कोंस्टास दूसरी पारी में शून्य पर आउट हो गए। उन्हें जेडन सील्स ने बोल्ड किया, जबकि उस्मान ख्वाजा दो रन पर आउट हुए। उन्हें सील्स ने एलबीडबलू किया। दिन का खेल खत्म होने तक कैमरून ग्रीन 6 रन और नाइटवाचमैन नाथन लायन 2 रन बनाकर खेल रहे थे।वेस्टइंडीज टीम की बल्लेबाजी के दौरान 32.2 ओवर में ग्राउंड में अचानक एक कुत्ता आ गया। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने उसे ब्राउंड्री लाइन के बाहर किया। इस दौरान थोड़ी देर के लिए खेल को रोकना भी पड़ा।

बुमराह की अनुपस्थिति में आक्रमण की अगुआई करने की जिम्मेदारी उठाने में मजा आ रहा - मौहम्मद सिराज

नई दिल्ली। एजबेस्टन टेस्ट में इंग्लैंड के बल्लेबाजी क्रम को उधेड़ने के बाद भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने कहा कि उन्हें जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में आक्रमण की अगुआई करने की जिम्मेदारी उठाने में मजा आ रहा है। उन्होंने शुक्रवार को दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड की पहली पारी के दौरान 70 रन देकर छह विकेट चटकाए और मेहमान टीम को बढ़त दिलाने में अहम भूमिका निभाई। सिराज ने अपने शानदार प्रदर्शन को अविश्वसनीय बताया और कहा कि इसका उन्हें लंबे समय से इंतजार था।

वहीं, तेज गेंदबाज आकाश दीप ने भी चार विकेट लिए। उन्होंने कहा कि वह इंग्लैंड में सीम और स्विंग कराने की सोच रहे थे, लेकिन वैसे हालात नहीं थे। वहां अनुशासन के साथ गेंदबाजी करना ज्यादा महत्वपूर्ण था। भारत ने पहली पारी में 587 रन बनाए थे, जिसके जवाब में इंग्लैंड की पहली पारी 407 रन पर सिमट गई। जेमी स्मिथ (207 गेंदों पर नाबाद 184 रन) और हैरी ब्रूक (234 गेंदों पर 158 रन) के शतकों की वजह से इंग्लिश टीम इस स्कोर तक पहुंच पाई। ब्रूक और स्मिथ ने मिलकर 368 गेंदों पर 303 रन की साझेदारी की।

लंबे समय से इस स्पेल का इंतजार था

सिराज ने कहा, यह अविश्वसनीय है क्योंकि मैं लंबे समय से इसका इंतजार कर रहा था। मैं अच्छी गेंदबाजी कर रहा हूं, लेकिन विकेट नहीं ले पा रहा हूं। मैंने इससे पहले यहां केवल चार विकेट लिए थे, इसलिए छह विकेट लेना बहुत खास है। सिराज ने कहा कि विकेट धीमा था, जिससे अनुशासन बनाए रखना महत्वपूर्ण हो गया। उन्होंने कहा, विकेट बहुत धीमा था, लेकिन जब आपको आक्रमण का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी दी जाती है, तो मेरा लक्ष्य बहुत अधिक प्रयास न करके सही क्षेत्रों में गेंदबाजी करना और अनुशासन के साथ गेंदबाजी करना होता है। मेरी मानसिकता रन नहीं देना था। इस टेस्ट के लिए बुमराह को आराम दिए जाने के बाद सिराज ने आकाश दीप और प्रसिद्ध कृष्णा की अपेक्षाकृत कम अनुभव वाली तेज गेंदबाजी इकाई का नेतृत्व किया। उन्होंने कहा, %यह आकाश दीप का तीसरा या चौथा मैच है, प्रसिद्ध के लिए भी यही है, इसलिए मेरा ध्यान केवल निरंतर बने रहने और दबाव बनाने पर था। मुझे अलग-अलग चीजें आजमाने का मन कर रहा है, लेकिन मुझे निरंतर बने रहना है। बुमराह के बिना गेंदबाजी करते हुए अपने शानदार रिकॉर्ड के बारे में पूछे जाने पर, सिराज ने कहा, मुझे जिम्मेदारी पसंद है, मुझे चुनौती पसंद है।

भारत का बांग्लादेश दौरा एक साल के लिए टला

बीसीसीआई ने कहा- 2025 नहीं, सितंबर 2026 में होंगे 3 टी-20 और 3 वनडे

नई दिल्ली। भारत का बांग्लादेश दौरा एक साल के लिए टाल दिया गया है। बीसीसीआई ने शनिवार को इस बात की जानकारी दी। भारतीय बोर्ड के अनुसार, टीम इंडिया अब अगस्त 2025 की बजाय अगले साल सितंबर में बांग्लादेश दौरे पर जाएगी। बीसीसीआई ने री-शेड्यूल करने के कारण नहीं बताया। माना जा रहा है कि भारत और बांग्लादेश के बीच पिछले कुछ समय में बिगड़े रिश्तों और सुरक्षा की वजह से यह फैसला लिया गया। भारत अगले साल बांग्लादेश जाकर 3 वनडे और 3 टी-20 खेलने वाला है। रोहित-कोहली के खेलने का इंतजार भी टला बांग्लादेश टूर टलने के साथ फैंस का कोहली और रोहित को एक साथ फिर खेलते देखने का इंतजार भी बढ़ गया। रोहित और विराट ने मई में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया था। दोनों ने पिछले साल जून में टी-20

इंटरनेशनल को भी अलविदा कह दिया था। ऐसे में अब दोनों खिलाड़ी वनडे में ही भारत के लिए खेलते नजर आएंगे। विराट और रोहित आखिरी बार चैंपियंस ट्रॉफी में भारत से खेलते नजर आए थे। बीसीबी ने मीडिया राइट्स की बिक्री टाली बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने सीरीज के मीडिया राइट्स की बिक्री भी टाल दी है। पहले 7 जुलाई को टेक्निकल बोली और 10 जुलाई को फाइनेंशियल बोली होनी थी। लेकिन अब बोर्ड ने तय किया है कि वह पहले पाकिस्तान सीरीज (17-25 जुलाई) के लिए मीडिया राइट्स बेचेगा और फिर बाकी मैचों पर फैसला लेगा।

एक हफ्ते पहले बीसीबी के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम ने कहा था कि दौरे पर आने से पहले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को अपनी सरकार की मंजूरी का इंतजार है।

वैभव का इंग्लैंड में फिर आया तूफान, 52 गेंद में शतक जड़ा, यूथ वनडे में रचा नया कीर्तिमान

नई दिल्ली। भारत के स्टार बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का इंग्लैंड में धमाल जारी है। उन्होंने भारतीय अंडर-19 टीम से खेलते हुए इंग्लैंड की अंडर-19 के खिलाफ चौथे यूथ वनडे में 78 गेंद पर 13 चौके और 10 छक्के की मदद से 143 रन की पारी खेली। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 183.33 का रहा।

वैभव यूथ वनडे यानी युवा वनडे में सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। इतना ही नहीं, वह युवा वनडे के सबसे युवा शतकवीर भी बन गए हैं। शतक लगाने के वक्त उनकी उम्र 14 साल 100 दिन की रही।

वैभव ने साथ ही पिछले मैच में बनाए अपने ही रिकॉर्ड को तोड़ा। पिछले वनडे में वह अंडर-19 यूथ वनडे के किसी एक मैच की पारी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बने थे। पिछले वनडे में वैभव ने 31 गेंद में छह चौके और नौ छक्के की मदद

से 86 रन की पारी खेली थी। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 277.42 का रहा था।

अब 10 छक्के लगाकर उन्होंने पिछले रिकॉर्ड सुधार किया। अंडर-19 यूथ वनडे के किसी एक मैच की पारी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का भारतीय रिकॉर्ड वैभव से पहले राज बावा (8 छक्के) के नाम था। उन्होंने 2022 में युगांडा के खिलाफ ऐसा किया था।

हालांकि, वैभव ने पहले उनका रिकॉर्ड तोड़ा और अब खुद का ही रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

व्यापार

आय समानता मामले में भारत का नया कीर्तिमान, अत्यधिक गरीबी भी घटी

नई दिल्ली। भारत आय समानता में विश्व स्तर पर चौथे स्थान पर है। आय असमानता मापने वाले गिनी इंडेक्स में भारत को 25.5 का स्कोर मिला है। भारत से ऊपर केवल स्लोवाक रिपब्लिक, स्लोवेनिया और बेलारूस हैं। वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट में यह जानकारी मिली है।

भारत के लिए उपलब्धि

सरकार का कहना है कि यह भारत के लिए एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। यह दर्शाता है कि आर्थिक प्रगति किस प्रकार देश की जनसंख्या में समान रूप से साझा की जा रही है। इस सफलता के पीछे गरीबी को कम करने, वित्तयी पहुंच का विस्तार करने और सबसे अधिक जरूरतमंद लोगों तक सीधे कल्याण पहुंचाने पर केंद्रित नीतिगत ध्यान है।

भारत कम असमानता से बस थोड़ा दूर है

गिनी इंडेक्स में 0 पूर्ण समानता और 100 पूर्ण असमानता को दर्शाता है। गिनी इंडेक्स जितना अधिक होगा,

देश उतना ही असमान होगा। भारत मध्यम रूप से कम असमानता श्रेणी में आता है,

जिसमें 25 से 30 के बीच गिनी स्कोर शामिल है, और यह ÷कम असमानता समूह में शामिल होने से बस थोड़ा सा दूर है। भारत का स्कोर उन सभी 167 देशों से बेहतर है, जिनके लिए विश्व बैंक ने डेटा जारी किया है।

केवल 30 देश कम असमानता श्रेणी में आते हैं

वैश्विक स्तर पर, केवल 30 देश मध्यम रूप से कम असमानता श्रेणी में आते हैं.इसमें मजबूत कल्याणकारी व्यवस्था वाले कई यूरोपीय देश शामिल हैं। इनमें आइसलैंड, नॉर्वे, फिनलैंड और बेल्जियम शामिल हैं। इसमें पोलैंड जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाएं और संयुक्त अरब अमीरात जैसे धनी देश भी शामिल हैं।

छोटे कारोबारियों के बीच यूपीआई बना लेन-देन का सबसे पसंदीदा तरीका

नई दिल्ली। देश के छोटे कारोबार (एमएसएमईएस) तेजी से डिजिटल लेन-देन को अपना रहे हैं। मामले में पेनियरबाई की रिपोर्ट की माने तो देश में लगभग 48त्र छोटे कारोबारियों ने यूपीआई को सबसे पसंदीदा भुगतान का तरीका बताया है। इसके बाद आधार आधारित बैंकिंग को 39त्र लोगों ने चुना। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि महिला कारोबारियों के बीच आधार बैंकिंग की पसंद 42त्र तक पहुंच गई है। इसका कारण फिंगरप्रिंट और फेस ऑथेंटिकेशन जैसी सुरक्षित तकनीकों पर बढ़ता भरोसा बताया गया है।

सर्वे में शामिल 71त्र लोगों ने स्मार्टफोन को अपना मुख्य व्यापारिक उपकरण बताया। महिलाओं में यह आंकड़ा और भी ज्यादा, 84त्र तक पहुंच गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, डिजिटल टूल्स अपनाने से हर तीन में

से एक कारोबारी ने अपने कामकाज में सुधार बताया। वहीं 73त्र छोटे व्यवसायियों ने आय बढ़ने या कामकाज में सुधार का अनुभव किया। हालांकि यह संख्या अभी कम है, लेकिन 7त्र कारोबारियों ने एआई और ऑटोमेटेड टूल्स जैसे इन्वेंटरी ऐप्स, बिलिंग सिस्टम और कस्टमर एंगेजमेंट प्लेटफॉर्म्स को इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है।

वहीं यूपीआई के बढ़ते लेन-देन को लेकर पेनियरबाई के फाउंडर और सीईओ आनंद कुमार बजाज ने कहा कि एमएसएमई भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। डिजिटल टूल्स जैसे स्मार्टफोन, यूपीआई, आधार बैंकिंग और एआई को तेजी से अपनाना दिखाता है कि यह सेक्टर अब पूरी तरह से आधुनिकता की ओर बढ़ रहा है।

गौरतलब है रि यह सर्वे देशभर के 10,000 लोगों और छोटे व्यापारियों के बीच किया गया, जिसमें किराना स्टोर्स, मोबाइल रिचार्ज शॉप्स, मेडिकल स्टोर्स, कस्टमर सर्विस पॉइंट्स (सीएसपी) और ट्रैवल एजेंसियां शामिल थीं। इसको लेकर रिपोर्ट से साफ तौर पर कहा गया है कि भारत का एमएसएमई सेक्टर अब डिजिटल की ताकत को पहचान चुका है और इससे न सिर्फ उनकी कमाई बढ़ रही है, बल्कि काम भी आसान हो रहा है।

राजस्थान में जियो का दबदबा बरकरार, मई माह में 95000 से अधिक वायरलेस ग्राहक जोड़े

जयपुर। रिलायंस जियो ने राजस्थान में एक बार फिर अच्छा प्रदर्शन किया है। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) द्वारा मई 2025 के लिए जारी ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार, जियो ने राज्य में 95,016 नए मोबाइल ग्राहक जोड़े हैं, जिससे उसका कुल ग्राहक आधार बढ़कर 2.66 करोड़ हो गया है। इस बड़े ग्राहक आधार के साथ जियो राजस्थान में नंबर एक टेलीकॉम ऑपरेटर के स्थान पर बरकरार है।

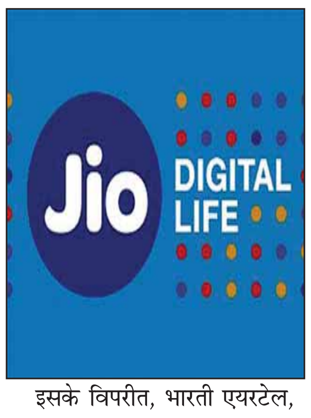

इसके विपरीत, भारती एयरटेल, वोडाफोन आइडिया और बीएसएनएल को लगातार दूसरे महीने नुकसान झेलना पड़ा। मई में एयरटेल ने 8,453, वोडाफोन आइडिया ने 31,403 और बीएसएनएल ने 6,680 ग्राहक खो दिए। राजस्थान में कुल वायरलेस उपभोक्ता आधार 31 मई 2025 तक बढ़कर 6.47 करोड़ हो गया है, जिसमें इस माह कुल 48,454 की वृद्धि दर्ज की गई।

जियो 2.66 करोड़ ग्राहकों के साथ शीर्ष पर है, इसके बाद भारती एयरटेल के 2.33 करोड़, वोडाफोन आइडिया के 90.91 लाख और बीएसएनएल के 56.19 लाख ग्राहक हैं। जियो राज्य में फिक्स्ड ब्रॉडबैंड सेगमेंट में भी सबसे आगे है। वायरलाइन और 5जी एफडब्ल्यूए सहित जियो के कुल फिक्स्ड ब्रॉडबैंड ग्राहक अब 9.05 लाख तक पहुंच गए हैं, जो एयरटेल के 4.24 लाख ग्राहकों से दोगुने से भी ज्यादा हैं।

दूसरी छमाही में सोने की कीमतें बढ़ने की संभावना फिर एक लाख रुपये तक पहुंच सकता है आंकड़ा

नई दिल्ली। घरेलू सोने का भाव साल 2025 की दूसरी छमाही में एक लाख तक बढ़ने की संभावना है। आईसीआईसीआई बैंक ग्लोबल मार्केट्स की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। वैश्विक हालातों के विपरीत, जून में घरेलू सोने की कीमतों में 0.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह रुपये में 0.2 प्रतिशत की मामूली गिरावट के कारण हुई।

मात्रा के लिहाज से, सोने के आयात में क्रमिक आधार पर गिरावट आई है। यह दर्शाता है कि ऊंची कीमतों के जवाब में मांग कमजोर हो रही है। मई में 2.5 अरब डॉलर के सोने का आयात दर्ज किया गया, जबकि पिछले महीने यह 3.1 अरब

डॉलर था। मई में निवेश की मांग मजबूत रही।

मई में ईटीएफ में 2.92 अरब रुपये का शुद्ध निवेश हुआ

एएमएफआई के आंकड़ों से पता चला है कि लगातार दो महीनों की निकासी के बाद मई में एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में 2.92 अरब रुपये का शुद्ध निवेश हुआ। यह स्थानीय बाजारों में पीली धातु की मजबूत निवेश-संबंधी मांग को दर्शाता है।

वैश्विक मोर्चे पर, सोने की कीमतों में क्रमिक गिरावट के बावजूद पीली धातु के लिए निवेश मांग मजबूत बनी रही, जो ईटीएफ प्रवाह से भी स्पष्ट है। सोने में एसपीडीआर ईटीएफ प्रवाह 1 जून 2025 तक 930 टन से बढ़कर 1 जुलाई 2025 तक 948 टन हो गया।

हाल के महीनों में, सोने की कीमतों में तेजी रुक गई है, क्योंकि पिछले महीने कीमतें स्थिर रहीं, जो सुरक्षित निवेश की मांग में आई कमी को दर्शाता है। हालांकि, 2025 में ईयर-टू-डेट आधार पर कीमतें 28 प्रतिशत अधिक रहीं।

सोनी सब के "वागले की दुनिया" में सखी की जिंदगी से विवान को दूर करने की राजेश की कोशिशें पड़ी उल्टी, विवान ने कर दिया प्रपोज

मुंबई। सोनी सब का लोकप्रिय शो 'वागले की दुनिया' मध्यमवर्गीय परिवार की रोजमर्रा की खुशियों और संघर्षों को बड़े ही खूबसूरत और संवेदनशील अंदाज में पेश करता आ रहा है। शो में दिल छू लेने वाले क्षणों के साथ-साथ यथार्थ से जुड़ी चुनौतियां भी बखूबी दिखाई जाती हैं। हालिया एपिसोड्स में दर्शकों ने देखा कि साईं दर्शन सोसायटी में जब उनकी बिल्डिंग के रीडेवलपमेंट की घोषणा होती है, तो सबमें उत्साह की लहर दौड़ जाती है। लेकिन एक देर रात आए हल्के भूकंप के झटके से हड़कंप मच जाता है और बिल्डिंग की गंभीर ढांचात्मक कमजोरियां सामने आ जाती हैं।

आगामी एपिसोड्स में, वागले परिवार में तनाव बढ़ता है जब राजेश (सुमित राघवन) को अपनी बेटी सखी (चिन्मयी साल्वी) और विवान (नमित शाह) की बढ़ती नजदीकियों से बेचैनी होने लगती है। इसी बीच राधिका (भारती आचरेकर) की एक चौंकाने वाली भविष्यवाणी – सखी को जल्द शादी करनी चाहिए वरना भविष्य में उसे गर्भधारण से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है – राजेश की चिंता और बढ़ा देती है। राजेश विवान को सखी से दूर करने की कोशिश करते हैं, लेकिन उसका उल्टा असर होता है और सखी विवान के और करीब आ जाती है। इसी दौरान, राधिका को अचानक हुए मेमोरी लॉस से परिवार पहले ही तनाव में होता है, और तभी विवान के एक अप्रत्याशित एक्सीडेंट से सखी को अपने असली जज़्बात का एहसास होता है। ड्रामा चरम पर तब पहुंचता है जब सखी के जन्मदिन की पार्टी में विवान उसे प्रपोज कर देता है, लेकिन ठीक उसी वक्त राजेश और वंदना उसकी विवान से गुपचुप मुलाकात का भंडाफोड़ कर देते हैं। पूरा परिवार स्तब्ध रह जाता है और सन्नाटा छा जाता है।

अब सवाल यह है कि क्या राजेश इस अचानक आए बदलाव को स्वीकार कर पाएंगे? या फिर पुराने डर नए रिश्तों पर हावी हो जाएंगे?

शो में राजेश वागले की भूमिका निभा रहे सुमित राघवन कहते हैं, ''एक पिता के रूप में राजेश अपनी बेटी को बचाने और उसकी पसंद पर भरोसा करने के बीच उलझा हुआ है। यहां हम एक ऐसे पिता को देखते हैं जो अपनी बेटी को किसी और के साथ खो देने के डर से नहीं, बल्कि उसके प्रति अपने गहरे प्रेम और जिम्मेदारी के कारण परेशान है।''

देखते रहिए 'वागले की दुनिया - नई पीढ़ी, नए किस्से', हर सोमवार से शनिवार रात 9:30 बजे, सिर्फ सोनी सब पर

प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का किया सम्मान

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

देवास। शा.उ.मा.विद्यालय सिंगावदा में अध्ययनरत कक्षा 12वीं में अध्ययनरत 119 छात्र छात्राओं में से 24 छात्र-छात्राओं ने 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर म.प्र. शासन की योजना के अंतर्गत लेपटाप की राशि प्राप्त की। इन छात्र छात्राओं का सम्मान संस्था प्राचार्य अनिल सोलंकी एवं समस्त स्टाफ ने किया।

इनका हुआ सम्मान

खुशबू मकवाना 86.2 प्रतिशत, यश भावसार 85.6 प्रतिशत, रितिक तंवर 85 प्रतिशत, शीतल परमार 84 प्रतिशत, रचना सोलंकी 82.2 प्रतिशत, पायल हनोतिया 81.6 प्रतिशत, महेश्वरी राठौर 81.4 प्रतिशत, दीपिका पंड्या 80.8 प्रतिशत, सुमित्रा राठौर 80.6 प्रतिशत, अर्पिता चौहान 80.6 प्रतिशत, विशाल कुशवाह 80.6 प्रतिशत, दीपा राठौर 80.6 प्रतिशत, जया प्रजापति 79.2, निकिता 78.6 प्रतिशत, रोशनी 78.4 प्रतिशत, शिवपालसिंह 78 प्रतिशत, कीर्ति राठौर 77.6 प्रतिशत, निकिता 77.6 प्रतिशत, सोनिया 77.4 प्रतिशत, मेघा परमार 77 प्रतिशत, खुशी मकवाना 76.6 प्रतिशत,, कार्तिक 76.2 प्रतिशत, गोविंद 75.6 प्रतिशत, निकिता झाला 75 प्रतिशत।

उक्त जानकारी शिक्षक बसंत व्यास ने दी।

सरकार संवेदनशीलता के साथ आपके साथ खड़ी हैः केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने ग्राम खिवनिखुर्द में प्रभावित परिवारों से की मुलाकात

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

देवास। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान शनिवार को खातेगांव विधानसभा के ग्राम खिवनिखुर्द पहुँचे और अतिक्रमण मुक्त कराने की कार्यवाही से प्रभावित परिवारों से मुलाकात की। केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने ट्रैक्टर में बैठकर प्रभावित परिवारों से मिलने पहुंचे और अजब सिंह के घर भोजन भी किया। इस दौरान उन्होंने संभव मदद का आश्वासन दिया। केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने कहा कि सरकार संवेदनशीलता के साथ आपके साथ खड़ी है। सभी प्रभावित परिवारों की हर संभव मदद की जाएगी। किसी को अपनी भूमि से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा। विधायक एवं प्रशासन से जो सहायता मिली है उसके अलावा सांसद निधि से भी आवश्यक सहायता मुहैया कराई जाएगी।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने कहा कि गरीबों का हक उन्हें मिलना चाहिए। कही पर भी नवीन कब्जा नहीं होने देंगे, लेकिन पुराना कब्जा होगा उसे पर खेती करने का हक होगा। उन्होंने कहा कि आदिवासी क्षेत्र को लोगों को धरती आबा योजना का लाभ दिलाये। उन्होंने कहा कि घर-घर में नल के माध्यम से पानी मिलेगा ऐसा प्रयास सरकार द्वारा किया जा रहा है। प्रत्येक गांव में युवाओं की एक टीम बनाएं जो पात्र ग्रामीणों को योजनाओं का लाभ दिलाए कोई भी पात्र व्यक्ति योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने कहा कि सरकार की मंशा गांव मंजरे टोले को सड़क से जोड़ने की है। किसी भी गांव में कच्ची सड़क नहीं रहेगी। कोई भी कच्चे मकान में नहीं रहेगा सभी को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ देकर पक्के मकान बनाए जाएंगे। प्रत्येक गांव में स्व सहायता समूह बनाकर महिलाओं को सशक्त बनाया जाएगा। प्रधानमंत्री के लखपति दीदी के सपनों को साकार करने का पूरे ईमानदारी से प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि सभी पात्र महिलाओं को उज्ज्वला योजना का लाभ दिलाया जाए। इस दौरान खातेगांव विधायक आशीष शर्मा, निर्मला बालेरा, प्रेम सिंह पटेल सहित अन्य जनप्रतिनिधि, कलेक्टर ऋतुराज सिंह, पुलिस अधीक्षक पुनीत गहलोत, डीएफओ अमित सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

अनूपपुर के इतिहास में पहली बार इस्कॉन के तत्वाधान में निकली भगवान श्री जगन्नाथ की रथ यात्रा, जयकारों से गुंजायमान हुआ पूरा नगर

छप्पन भोग लगाए गए

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। अंतर्राष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ (इस्कॉन) के तत्वावधान में शनिवार को भगवान श्री जगन्नाथ, बलराम और सुभद्रा जी की भव्य रथयात्रा अनूपपुर शहर में निकाली गई। भव्य रथ यात्रा शिव मारुति मंदिर सामतपुर से प्रारंभ होकर बस स्टैंड, आदर्श मार्ग, स्टेशन चौक, रामजानकी मंदिर, गुरुद्वारा रोड, पीएचई ऑफिस, अंडर ब्रिज, स्मार्ट सिटी से होते हुए उत्कृष्ट विद्यालय अनूपपुर के मैदान में संपन्न हुई। हजारों श्रद्धालु हरिनाम संकीर्तन करते,भजनों पर झूमते हुए रथ खींचते चले।

उज्जैन से मंगाए गए विशेष रथ पर वैदिक विधि से विराजित प्रतिमाओं की पूजा-अर्चना कर यात्रा का शुभारंभ किया गया। श्रद्धालुओं ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर भगवान का स्वागत किया एवं आरती उतारी नगर के समाजसेवी व जनप्रतिनिधियों ने रथ खींचने का सौभाग्य प्राप्त किया। समापन अवसर पर काफी संख्या में श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसादी वितरित की गई।प्रशासन द्वारा सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए।

हजारों भक्तों ने भगवान जगन्नाथ का रथ खींचा

अंतर्राष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ इस्कॉन मंदिर के तत्वावधान में शनिवार को अनूपपुर शहर में भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा निकाली गई। हजारों भक्तों ने रथ खींचते हुए पूजा अर्चना की। यात्रा का शुभारंभ शिव मारुति मंदिर सामतपुर से हुआ और नगर के विभिन्न मार्गो से निकली रथयात्रा में हजारों रसिकजन रस्सी खींचकर चलते रहे। जगह-जगह पुष्प वर्षा कर भगवान जगन्नाथ, सुभद्रा और बलभद्र की पूजा अर्चना की गई। कई रसिक जन सड़कों पर झाडू लगाते रथ के आगे चलते रहे।पूरा नगर धर्ममय हो गया।

जय जगन्नाथ-जय जगन्नाथ की धुन पर झूमते रहे भक्त

यात्रा के दौरान नंगे पैर उमड़े रसिकजनों का उत्साह देखते ही बन रहा था। रसिकजनों की भीड़ को देखकर ऐसा प्रतीत हो रहा था कि भगवान श्री जगन्नाथ रथ यात्रा में समस्त नगर समां गया हो। भगवान के श्रृंगार में अलौकिक दिव्य दर्शन हो रहे थे। जिधर भी नजर जा रही थी, उधर जय जगन्नाथ-जय जगन्नाथ की धुन पर रसिकजन झूम रहे थे।चारों ओर से जय जगन्नाथ-जय जगन्नाथ के उद्घोष से पूरा वातावरण गुंजायमान हो रहा था। रथयात्रा में जगह-जगह नगर के सेवादारों ने विभिन्न प्रकार के शरबत, पानी, बिस्कुट, चिप्स की व्यवस्था थी। वहीं, भगवान जगन्नाथ का प्रसाद पाने के लिए रसिकजनों की होड़ मची रही।जगन्नाथ रथ यात्रा में रसिकजनों की संख्या को देखकर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। इस्कान मंदिर की संकीर्तन मंडली ने हरे राम,हरे कृष्ण की धुन से माहौल भक्तिमय बनाया।महिला संकीर्तन मंडल भजन गा रहा था। समापन कार्यक्रम में सर्वप्रथम भगवान जगन्नाथ को छप्पन भोग लगाया गया। छप्पन भोग के पश्चात भगवान जगन्नाथ की आरती हुई। भक्तों के द्वारा भगवान जगन्नाथ की कथा, भजन कीर्तन एवं फिर सभी के लिए महाप्रसाद की व्यवस्था की गई।

अनूपपुर के इतिहास में पहली बार निकली जगन्नाथ रथ यात्रा का नगरवासियों ने पलक पांवड़े बिछाकर रथ यात्रा का स्वागत किया।अनूपपुर शहर सहित गांव-गांव से आए श्रद्धालुओं ने भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा को लेकर उत्साहित नजर आए।

इस्कॉन केंद्र प्रमुख एवं प्रभारी ने किया आभार व्यक्त

इस्कॉन केंद्र के प्रमुख अनूपपुर केंद्र के प्रभारी चैतन्य मनोहर दास एवं प्रशांत पांडे ने अनूपपुर के इतिहास में पहली बार मिली सफलता के लिए प्रत्यक्ष,अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग देने वाले सभी श्रद्धालुओं के लिए आभार व्यक्त किया है एवं भविष्य में भी सहयोग की अपेक्षा की है। उन्होंने कहा है कि आने वाले वर्षों में जगन्नाथ रथ यात्रा को और आकर्षक बनाया जाएगा एवं सभी के सहयोग से अनूपपुर में शीघ्र इस्कॉन मंदिर की स्थापना की जाएगी।

कोतवाली अनूपपुर पुलिस द्वारा बड़ी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब जप्त

55 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब सहित तस्कर गिरफ्तार

अनूपपुर। पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक इसरार मन्सूरी एवं एस.डी.ओ.पी. अनूपपुर सुमित केरकेट्टा के मार्गदर्शन में कोतवाली अनूपपुर पुलिस द्वारा ग्राम बर्री में रेड कार्यवाही कर बड़ी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब की तस्करी एवं विक्रय में लिप्त आरोपी राम रतन राठौर को रंगे हाथों पकड़ा जाकर बड़ी कार्यवाही की गई है।

शुक्रवार की रात्रि मुखबिर की सूचना पर टी.आई. कोतवाली निरीक्षक अरविन्द जैन के नेतृत्व में सहायक उप निरीक्षक सुरेन्द्र प्रताप सिंह,प्रधान आरक्षक शेख रसीद, आरक्षक अब्दुल कलीम एवं प्रकाश तिवारी के द्वारा ग्राम बर्री में रेड कार्यवाही की जाकर आरोपी रामरतन राठौर पिता सुन्दर लाल राठौर उम्र करीब 37 वर्ष निवासी ग्राम बर्री अनूपपुर को उसके घर के पीछे दो प्लास्टिक की बोरियों में छिपा कर रखी गई अवैध अंग्रेजी शराब के साथ रंगे हांथो पकडा जाकर कार्यवाही की गई। पुलिस व्दारा पकडे गये आरोपी रामरतन के कब्जे से POWER 10000 बियर केन 50 नग, 37 नग 8 पीएम व्हिस्की, 89 नग ब्ल्यू चिप अंग्रेजी शराब , 15 नग देशी मशाला, 40 नग आफीसर च्वाईस, 06 नग बोल्ड बियर, कुल करीब 55 लीटर अंग्रेजी शराब कीमती करीब 50,000 रूपये जप्त की जाकर आरोपी के विरूद्ध अपराध क्रमांक 340/25 धारा 34(2) आबकारी एक्ट पंजीबद्ध किया जाकर आरोपी रामरतन राठौर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस व्दारा गिरफ्तार अवैध शराब तस्कर रामरतन राठौर निवासी ग्राम बर्री के विरूद्ध पूर्व से अवैध शराब के अनेक मामले दर्ज हैं एवं पूर्व में भी वर्ष 2021 में अपराध क्र. 452/21 धारा 34(2) म.प्र. आबकारी अधिनियम के अंतर्गत की गई कार्यवाही में आरोपी कई दिनो तक अनूपपुर जेल में निरुद्ध रहा है।टी.आई. कोतवाली निरीक्षक अरबिन्द जैन के नेतृत्व में पुलिस स्टाफ व्दारा अवैध शराब तस्कर के विरूद्ध की गई बडी रेड कार्यवाही की ग्रामवासियो एवं क्षेत्र के नागरिको ने सराहना की है।

डोला में 30 लाख की लागत से खुलेगा मिनी फिश फीड मिल्क

कोतमा कार्यक्रम में हितग्राही जूही शाह को प्रदान किया गया स्वीकृति पत्राक

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। मध्य प्रदेश शासन की केंद्र प्रवृत्त प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना अंतर्गत जिले में मत्स्य आहार की नियमित उपलब्धता के दृष्टिगत मिनी फिश फीड मिल्क की स्थापना हेतु भारत सरकार की जारी गाइडलाइन के अनुसार वर्ष 2025- 26 के तहत जिले के नगर पंचायत डोला (राजनगर) की वार्ड क्रमांक 12 निवासी जूली शाह पति पवन शाह को मिनी फिश फीड मिल की स्थापना हेतु प्रोजेक्ट राशि 30 लाख की स्वीकृति दी गई है योजनांतर्गत इसमें 12 हज़ार हितग्राही अंशदान तथा 18 लाख रुपए अनुदान शामिल है। कोतमा में आयोजित अमृत हरित महा अभियान कार्यक्रम मे जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप अहिरवार तथा राज्य शासन के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल सहित अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से हितग्राही जूली शाह को स्वीकृति पत्रक प्रदान किया गया। उक्ताशय की जानकारी सहायक संचालक मत्स्योद्योग ने दी है।

कॉलेज अनूपपुर में आयोजित हुआ लर्निंग लाइसेंस कैंप

यातायात अनूपपुर एवं जिला परिवहन अधिकारी की संयुक्त पहल

अनूपपुर। शनिवार को पी.आर.टी. कॉलेज अनूपपुर में ड्राइविंग लर्निंग लाइसेंस का कैंप लगाया गया, जिसमें स्थानीय युवा एवं कॉलेज की छात्राओं द्वारा लाइसेंस बनवाने हेतु भाग लिया गया, कैंप में उपस्थित बच्चों को सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों की जानकारी दी गई

तथा ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने की प्रक्रिया, लाइसेंस की आवश्यकता के विषय में बताया गया।लर्निंग लाइसेंस प्रदाय करते हुए जानकारी दी गई की एक महीने बाद स्थाई लाइसेंस के लिए आवेदन करें तथा जिला परिवहन कार्यालय से स्थाई लाइसेंस प्राप्त करें।कैंप में कुल 29 छात्राओं एवं 13 युवाओं के कुल 42 लर्निंग लाइसेंस जारी किए गए, छात्राओं को निशुल्क लाइसेंस प्रदाय किए गए।

जिला परिवहन विभाग एवं यातायात अनूपपुर द्वारा अभी तक तीन गांव एवं कॉलेज में लर्निंग लाइसेंस कैंप आयोजित कर 170 लोगों को लाइसेंस प्रदाय किए गए है।

कैंप में जिला परिवहन अधिकारी सुरेंद्र सिंह गौतम, यातायात प्रभारी ज्योति दुबे, कॉलेज के प्रबंधक विजय तिवारी, आदर्श मिश्रा, आलोक कुशवाहा, आरटीओ ऑफिस से अंकित जायसवाल, आदित्य मिश्रा उपस्थित रहे।

श्रीकृष्ण मंदिर रोड पर चला नालियों का सफाई अभियान

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/जौरा। नगर पालिका द्वारा नगर में नाले-नालियों के कराई जा रहे सफाई अभियान के अंतर्गत शनिवार को श्री कृष्ण मंदिर रोड पर सफाई अभियान चलाया गया। दरअसल यहां रहने वाले निवासियों ने नगर पालिका अध्यक्ष अखिल राजू महेश्वरी को मौखिक रूप से अवगत कराया कि श्री कृष्ण मंदिर रोड पर नालियां कीचड़ एवं गंदगी से भरी पड़ी हैं। मच्छर भी बहुत हो गए हैं, जिससे रहवासियों को परेशानी हो रही है। बरसात का मौसम है बीमारियां भी फैल सकती है। रहवासियों की शिकायत पर से अध्यक्ष अखिल माहेश्वरी सीएमओ वीरेंद्र रावत, सफाई दरोगा महेश त्यागी को लेकर सुबह ही वार्ड भ्रमण को निकले तो उन्होंने गंदगी कीचड़ से भारी नालियों का निरीक्षण किया तो उन्हें नागरिकों द्वारा की गई शिकायत सही मिली। जिस पर से निकाय सीएमओ सफाई दरोगा स्वच्छता निरीक्षक को नालियों की सफाई के निर्देश दिए गए। अध्यक्ष के निर्देश पालन में 05 जुलाई को सीएमओ रावत के निर्देशन में स्वच्छता निरीक्षक दिनेश कुमार शर्मा, सफाई दरोगा महेश त्यागी, दिनेश कुमार बाल्मीक, बबलू बाल्मीकि आदि की मौजूदगी में सफाई अमले द्वारा श्रीकृष्ण मंदिर रोड पर श्याम गर्ग के के सामने से लेकर निक्की गोयल के मकान तक एवं अन्य नालियों की तले तक कीचड़ गंदगी को निकाल कर सफाई की गई। नगर पालिका का यह सफाई अभियान पिछले लगभग 1 माह से चल रहा है, जिसके अंतर्गत सफाई दरोगा सूरज बाल्मीक सहित अन्य सफाई कर्मियों द्वारा अस्पताल रोड, एमएस रोड, भीमराव अंबेडकर, बस स्टैंड, रामनगर तक नाले-नालियों की कीचड़, गंदगी, पॉलिथीन निकालकर सफाई की गई है।

श्रीराम कथा भगवान का साक्षात स्वरूप हैः संजय कृष्ण शास्त्री

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/जौरा। श्रीराम कथा साक्षात् भगवान का स्वरूप है। इसके श्रवण और सुनने से ही भगवान हृदय में विराजते हैं। यह बात बालाजी दरबार कैलादेवी मंदिर मित्तल पेट्रोल पंप के बगल से रमेशचंद अग्रवाल, रामदास अग्रवाल, दयाराम अग्रवाल, सुरेशचंद्र अग्रवाल अम्बाह वालों द्वारा कराई जा रही श्रीराम कथा के पांचवें दिन राष्ट्रीय कथा व्यास संजय कृष्ण शास्त्री ने अपने मुखारविंद से कही। शनिवार को श्रीराम कथा के दौरान शास्त्री जी ने पुष्प वाटिका धनुष यज्ञ लीला का प्रसंग सुन कर उपस्थित सैकड़ों स्रोतों की वाहवाही लूटी तो वहीं श्रीराम जानकी विवाह उत्सव कथा का प्रसंग सुनते हुए संजय कृष्ण शास्त्री जी महाराज ने कहा कि विवाह के दौरान अच्छे-अच्छे धनुर्धर धनुष को नहीं उठा सके, तब भगवान श्रीराम ने धनुष उठाकर जानकी के पिता की चिंता का समाधान किया। श्रीराम कथा के दौरान शास्त्री जी ने यह भी कहा कि भगवान आपके आसपास ही हैं, बस आप सच्चे मन से उन्हें याद करें। नियमित उनकी पूजा पाठ करें तो श्रीराम आप सभी के हृदय में बसते हैं। श्रीराम नाम जपने से ही परेशानियों से निजात भी मिलती है। आज 06 जुलाई को श्रीराम कथा के दौरान श्रीराम वनगमन कथा, केवट प्रसंग, चित्रकूट निवास की कथा का प्रसंग श्रोताओं को सुनाया जाएगा। यह नौ दिवसीय श्रीराम कथा 01 जुलाई से प्रारंभ हुई है, जिसमें प्रतिदिन सैकड़ों लोग श्रीराम कथा का रस स्वादन करने आ रहे हैं।

भारतीय किसान संघ ने तहसीलदार को दिया ज्ञापन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/पोरसा। भारतीय किसान संघ के तहसील अध्यक्ष राजवीर सिंह भदोरिया के नेतृत्व में तहसील परिसर में तहसीलदार नवीन भारद्वाज को अपनी मांगों का यह ज्ञापन सौंपा, जिसमें सभी सोसाइटियों व संस्थानों पर नियमित किसानों को समय पर डीएपी यूरिया की आपूर्ति कराई जाए, बाजार में प्राइवेट डीलरों द्वारा डीएपी 1600 व 1700 एवं यूरिया 400 से 500 में बेचा जा रहा है। तत्काल प्रभाव से कार्रवाई की जाए एवं दुकानों के सामने खाद की रेट लिस्ट चस्पा की जाए। खाद्य सामग्री में शहर के अंदर मिलावट हो रही है उसे तत्काल प्रभाव रोका जाए। जैसे दूध, दही, पनीर, सरसों का तेल आदि मिठाइयों में मिलावट शहर के अंदर हो रही है। राजौधा डीसी कृषि पंपों की जर्जर लाइनों को ठीक किया जाए तथा कृषि पंपों पर विद्युत उपलब्ध कराई जाए, ग्रामीण रोडों पर ग्रामीणों द्वारा किया किया गया अतिक्रमण हटाकर कार्रवाई की जाए, मार्केटिंग सोसायटी द्वारा किसानों की सुविधा के लिए तीन नगदी की दुकान चलाई जाए, ग्राम पंचायत प्रदूपुरा में 4000 की आबादी को देखते हुए माध्यमिक विद्यालय की व्यवस्था की जाए, जिससे छात्राओं को अध्ययन करने में सुविधा रहे। ग्राम प्रदूपुरा में पीने की पानी की टंकी एवं बिछाई गई पाइप लाइन की जांच कराकर संबंधित ठेकेदार पर उचित कार्रवाई की जाए। ज्ञापन देने वालों में राजवीर सिंह भदोरिया तहसील अध्यक्ष, मनवीर सिंह तोमर, रामपाल सिंह तोमर जिला अध्यक्ष, अमर सिंह, मुकेश सिंह, रामनरेश सिंह, परिमाल सिंह, विश्वनाथ सिंह भदोरिया, प्रताप सिंह, रघुराज सिंह, सुरेश सिंह, फेरन सिंह, जितेन्द्र सिंह, दीनू सिंह, रामसेवक सिंह आदि लोग शामिल हैं।

आगामी त्यौहारों को दृष्टिगत रखते हुए मुरैना पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। पुलिस अधीक्षक समीर सौरभ (भापुसे) द्वारा आगामी त्यौहारों के दौरान जिले में कानून व्यवस्था, साम्प्रदायिक सौहार्द एवं सामाजिक समरसता बनाए रखने के उद्देश्य से जिले के समस्त अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) एवं थाना प्रभारियों को आज दिनांक 05.07.2025 को संबंधित थाना क्षेत्रों में फ्लैग मार्च निकालने संबंधी निर्देश दिए गए।

उक्त निर्देशों के तारतम्य में अति. पुलिस अधीक्षक मुरैना के मार्गदर्शन में जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में संबंधित एसडीओपी एवं थाना प्रभारीगण द्वारा पुलिस बल के साथ फ्लैग मार्च निकाला गया। मुरैना शहर में फ्लैग मार्च की शरूवात पुलिस लाइन से होकर शहर के मुख्य मार्गों, बाजार, संवेदनशील क्षेत्रों एवं अत्यधिक भीड़-भाड़ वाले स्थानों - रूई की मंडी, स्टेशन रोड, गणेशपुरा, पुराना बस स्टैण्ड, बैरियर चौराहा, मां-बेटी चौराहा, मुरैना गांव आदि से होता हुआ संपन्न हुआ। मार्च के दौरान पुलिस अधिकारियों द्वारा आमजन से संवाद स्थापित किया गया और यह सुनिश्चित किया गया कि आगामी पर्व शांति और सद्भावना के माहौल में सम्पन्न हो।

शहर मुरैना में निकाले गए फ्लैग मार्च में निकाले गए फ्लैग मार्च में सुरेन्द्र पाल सिंह डावर, अति. पुलिस अधीक्षक मुरैना, भूपेन्द्र कुशवाह एसडीएम मुरैना, श्रीमती दीपाली चंदौरिया, नगर पुलिस अधीक्षक मुरैना, महेश शर्मा, उपुअ (अजाक), निरीक्षक दर्शन शुक्ला, थाना प्रभारी सिविल लाइन, निरीक्षक कुशल भदौरिया, थाना प्रभारी अजाक, रविकांत शुक्ला रक्षित निरीक्षक, संतोष भदौरिया थाना प्रभारी यातायात, उनि शिवम चौहान, थाना कोतवाली, उनि रवि गुर्जर इंचार्ज थाना प्रभारी स्टेशन रोड़, सबेदार गजेन्द्र परिहार, सहित पुलिस लाइन, पुअ कार्यालय सहित कुल 200 से अधिक का पुलिस बल उपस्थित रहा ।

फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस अधिकारियों ने शहरवासियों से अपील की है कि वे कोई भी अफवाह न फैलाएं और न ही उस पर विश्वास करें, सोशल मीडिया पर किसी प्रकार की भड़काऊ या भ्रमित करने वाली पोस्ट साझा करने से बचें, किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की सूचना तत्काल मुरैना पुलिस के हैल्पलाइन नंबर 7049116200, पुलिस कंट्रोल रूम नंबर 7049101040 अथवा नजदीकी थाना में दें।

आरोपी कार चालक को दो वर्ष का कारावास

मुरैना/जौरा। सड़क दुघर्टना के मामले में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी जौरा मनमोहन सिंह कौरव ने हादसे को अंजाम देने वाले कार के ड्राईवर को दोषी मानते हुए 2 वर्ष कठोर कारावास एवं 2500 रूपये अर्थदण्ड की सजा सुनाई है। अभियोजन की ओर से पैरवी अपर लोक अभियोजक गोविंददास आर्य ने की।

अभियोजन से मिली जानकारी के अनुसार 22 जून 2018 को जौरा थाना क्षेत्र में एमएस रोड पर बाइक पर सवार होकर जा रहे प्रदीप को स्विफ्ट कार क्रं. एचआर26-बीएस-3787 के ड्राईवर ने टक्कर मार दी थी। हादसे में प्रदीप की घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी। जौरा पुलिस ने मृतक प्रदीप के भाई प्रमोद की रिपोर्ट पर कार के ड्राईवर मानसिंह परिहार पुत्र श्यामसुंदर परिहार नि. पिनाहट आगरा यूपी हाल सुल्तानपुरी दिल्ली सहित कार के मालिक के विरुद्ध धारा-304ए अपराध पंजीबद्ध किया। अभियोजन की ओर से पेश किए गए साक्ष्यों एवं तर्कों से सहमत होकर न्यायाधीश ने कार ड्राईवर मानसिंह परिहार को 2 वर्ष सश्रम कारावास और ढाई हजार रूपये जुर्माने की सजा सुनाई है।

बिना एमआरपी प्रिंट 2 लाख कीमती 70 क्विंटल आटा जब्त

-फूड सेफ्टी टीम ने सबलगढ़ में की सैंपलिंग,
-सोयाबीन ऑइल, दूध-दही, रसगुल्ला पाऊडर के लिए सैंपल

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना/सबलगढ़। खाद्य पदार्थों में मिलावट की आशंकाओं को देखते हुए फूड सेफ्टी विभाग की टीम ने शनिवार को सबलगढ़ क्षेत्र में दूध डेयरियों-दुकानों पर छापामार कार्रवाई की। टीम ने कार्रवाई के दौरान इन प्रतिष्ठानों से दूध-दही, सोयाबीन तेल, रसगुल्ला पाऊडर के लिए सैंपल लिए। जिनको जांच के लिए भेजा जाएगा। फूड सेफ्टी अधिकारी अवनीश गुप्ता, अनिल सिंह परिहार, महेंद्र सिरोहिया ने कस्बा सबलगढ़ के संतर स्थित मुकेश गोयल की गोयल डेयरी पर सैंपलिंग की कार्रवाई की। यहां से पनीर एवं घी के नमूने लिए। इसी क्रम में लक्ष्मीनारायण की गौरी ट्रेडर्स से फोर्टिफाइड सोयाबीन ऑइल एवं रसगुल्ला पाऊडर के नमूने लिए गए। फूड सेफ्टी टीम ने तीसरी कार्रवाई सुनेहरा रोड पर स्थित आशी फ्लोर मिल पर की। टीम ने यहां से मिल में तैयार किए जा रहे श्याम भोग ब्रांड गेंहू के आटे के सैंपल लिए। मिल पर प्रोपराईटर सुरेन्द्र मौजूद थे। फैक्टरी में 5 किग्रा, 10 किग्रा तथा 25 किग्रा के बैग पर पैकिंग डेट, बैच नंबर और एमआरपी अंकित नहीं थी। टीम ने 7 क्विंटल गेंहू के आटे के 530 बैग जब्त किए। जिनकी कीमत तकरीबन 2 लाख रूपये बताई जा रही है।

ई-रिक्शा में सवार महिला के बैग से जेवरात-नकदी चोरी

बड़ोखर से बैरियर जाते समय हुई घटना, कोतवाली पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। बड़ोखर स्थित बस स्टैंड से बैरियर क्षेत्र में नवीन बस स्टैंड जाने ई-रिक्शा में सवार एक महिला के बैग से अज्ञात बदमाश करीब 12 तोला बजनी सोने के जेवरातों सहित एक हजार रूपये नकदी पार कर ले गया। कोतवाली पुलिस ने पीड़ित महिला की रिपोर्ट पर एफआईआर दर्ज कर ली है।

मिली जानकारी के मुताबिक अम्बाह निवासी महिला रेखा समाधिया पत्नी बालकिशन समाधिया शनिवार को अपनी बहन कल्पना शर्मा पत्नी रामनरेश शर्मा नि. सेंथरा बढ़ई पोरसा के साथ ग्वालियर में अपने मायके में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने घर से निकली थी। दोनों बहन अंबाह से ग्वालियर जाने के लिए बस में सवार होकर मुरैना पहुंची। यहां बस ने उन्हें बड़ोखर स्थित बस स्टैंड पर उतार दिया। जिसके बाद दोनों बहन बैरियर चौराहा क्षेत्र स्थित बस स्टैंड जाने के लिए ई-रिक्शा में सवार हो गई। रामनगर तिराहे पर आकर उन्होंने बैरियर जाने को ई-रिक्शा बदला। बैरियर पहुंचकर दोनों बहन जब बस में सवार हुई। तभी रेखा ने अपने बैग को खोलकर देखा तो उसमें रखे सोने के जेवरात जिनमें चार चूड़ी, एक बृजबाला, एक हार, मंगलसूत्र, दो अंगूठी करीब 12 तोला सोना और एक हजार रूपये नकदी गायब थे। तब दोनों बहन बस से उतरीं और सिटी कोतवाली पहुंचकर पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस ने अज्ञात बदमाश के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है।

जिले में अब तक 315.7 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। मुरैना जिले में 01 जून से 05 जुलाई, 2025 तक 315.7 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है, जो गत वर्ष की तुलना में 166.8 मिलीमीटर वर्षा अधिक है। पिछले वर्ष इसी अवधि में 148.9 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज हुई थी।

अधीक्षक भू-अभिलेख मुरैना ने बताया कि जिले में 01 जून से 05 जुलाई तक सर्वाधिक वर्षा मुरैना में 469 मिलीमीटर दर्ज की गई है। पोरसा में 404, सबलगढ़ में 294, जौरा में 257, अम्बाह में 238.4 और कैलारस तहसील में सबसे कम 232 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

05 जुलाई, शनिवार को सर्वाधिक 47.4 मिलीमीटर वर्षा मुरैना में दर्ज की गई है। पोरसा में 31, सबलगढ़-जौरा में 12, अम्बाह में 4 और कैलारस में 2 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

बस की टक्कर से राहगीर की मौत, तीन घायल

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना/जौरा। बस चालक बस को तेजी एवं लापरवाही से चला रहा था। एमएस रोड पर सीएम राइज़ स्कूल के पास पैदल जा रहे राहगीरों में टक्कर मार दी, जिससे एक राहगीर की दुखद मृत्यु हो गई, जबकि तीन लोग घायल हो गए। घटनास्थल पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों से मिली जानकारी के अनुसार 05 जुलाई को सुबह में बस क्रमांक एमपी 06 पी 0882 के चालक ने बस को लापरवाही एवं तेजी से चलते हुए सड़क पर जा रहे राहगीरों में टक्कर मार दी। टक्कर से राजवीर प्रजापति निवासी लाभकरण कैलारस, रमाशंकर, लौंगश्री, रीमा निवासी चचिहा घायल हो गए, जिनमें से राजवीर प्रजापति के अधिक चोट होने से गंभीर रूप से घायल हुए थे अस्पताल से में हैं। तत्काल इलाज हेतु मुरैना रेफर किया गया। बताया जाता है कि गंभीर रूप से घायल होने से उनकी मृत्यु हो गई। समाचार लिखे जाने तक जौरा थाने में अभी रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई थी। बताया जाता है कि मृतक राजवीर प्रजापति गिरिराज जी पैदल परिक्रमा देने जा रहा था।

प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि राहगीरों में टक्कर मारने से पहले बस के ड्राइवर ने न्यायालय के पास भी तेजी एवं लापरवाही से चलाता हुआ ला रहा था। बस बहक कर सड़क किनारे खाइयो में भी चली गई थी।

अपने इष्ट के बताए हुए मार्ग पर चलना ही साधना हैं: मुनिश्री विलोकसागर

श्री सिद्धचक्र विधान में आज 64 अर्घ होगें समर्पित

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। हम अपने इष्ट को पूजते तो हैं, उनकी भक्ति तो करते हैं, उनकी जय जयकार तो बोलते हैं लेकिन उनको हृदय से स्वीकार नहीं करते, उनके बताए हुए सिद्धांतों का पालन नहीं करते, उनके बताए गए मार्ग पर नहीं चलते । इसी प्रकार आप साधु को तो पूजते हैं लेकिन साधु के बताए हुए मार्ग को स्वीकार नहीं करते । जैन साधु भगवान महावीर की उपासना करते हुए उन्हें जीने का प्रयास करते हैं, उनके बताए हुए मार्ग पर चलते हैं, उनके सिद्धांतों का पूर्णतः पालन करते हैं। जैन साधु आहार भी लेते हैं तो इसलिए लेते हैं ताकि उनकी साधना चलती रहे । यदि उनका आहार भी साधना में बाधक बनता है तो वे आहार का भी त्याग कर देते हैं। जैन साधु केवल उसी व्यक्ति के हाथ से या उसी व्यक्ति के घर आहार लेते हैं जो भगवान महावीर के सिद्धांतों का पालन करता है। जिसके मन और विचारों में अहिंसा है, जो पाप कर्मों से दूर रहता है, सप्त व्यसनों का उपयोग नहीं करता है । जो व्यक्ति या परिवार श्रद्धा पूर्वक शुद्ध भोजन तैयार करता है, जिसकी भावनाएं पवित्र हैं, जिसके मन में यह भाव होता है कि साधु के आहार से मेरा कल्याण होगा और साधु की साधना में सहायक होगा । ऐसे ही परिवारों में साधु आहार लेता है । साधु के मन में भी यह भाव होता है कि चरित्रवान व्यक्ति के यहां आहार होगा तो हमारी साधना भी बाधित नहीं होगी । कदाचित भूलवश व्यसनी व्यक्ति के यहां अथवा पाप प्रवृति के व्यक्ति के यहां आहार होता है तो साधु अन्तराय कर देते हैं, उपवास कर लेते हैं। इस श्रमण परम्परा को जीवंत बनाए रखने के लिए अपने बच्चों को संस्कारित करना होगा । हमारी संस्कृति तभी जीवित रह सकती है, तब हमारी आने वाली पीढ़ी संस्कारवान होगी । उक्त उद्गार जैन संत मुनिश्री विलोकसागर महाराज ने श्री सिद्धचक्र विधान के तीसरे दिन बड़े जैन मंदिर में धर्म सभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए ।

पहाड़गढ़ वितरण केन्द्र में 5 एमवीए क्षमता का नया 33/11 केवी उपकेंद्र ऊर्जीकृत

मुरैना। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि मुरैना जिले के सबलगढ़ बिजली संभाग के पहाड़गढ़ वितरण केन्द्र के अंतर्गत ग्राम कोटसिरथरा में 5 एमवीए क्षमता का नया 33/11 केवी उपकेंद्र ऊर्जीकृत किया गया है। रिवेम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) योजना के तहत इस नए 33/11 केवी उपकेंद्र की स्थापना से पहाड़गढ़ के कोटसिरथरा ग्राम के सैकड़ों उपभोक्ताओं को निर्बाध तथा गुणवत्तापूर्ण सतत बिजली सप्लाई मिलेगी। मंत्री श्री तोमर ने कहा है कि सभी श्रेणी के विद्युत उपभोक्ताओं को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सरकार कृत संकल्पित है और इस दिशा में निरंतर कार्य किये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि नवीन 5 एमवीए 33/11 केवी उपकेंद्र स्थापित होने से एक ओर जहॉं विद्युत वितरण प्रणाली मजबूत होगी, वहीं दूसरी ओर विद्युत हानियां कम होकर प्रणाली की क्षमता वृद्धि से उपभोक्ताओं को पर्याप्त वोल्टेज पर विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित होगी।

विद्युत पेंशनर्स एसोसिएशन की मासिक बैठक सम्पन्न

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। विद्युत पेंशनर्स एसोसिएशन की मासिक बैठक विद्युत कंपनी के दफ्तर स्थित सभागार में 5 जुलाई को संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता पीपी मिश्रा ने की।

बैठक में एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष सुरेश जायसवाल, जेपी नामदेव, राजेश शर्मा, एनआर अतरोलिया, अनुरुद्ध सेन सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष पीपी मिश्रा ने कहा कि सभी पेंशनर्स अनिश्चितता के दौर से गुजर रहे हैं। निश्चित समय और तिथि से पेंशनर्स को उनका हक नहीं मिल रहा है। सरकार मनवाने ढंग से कार्य कर रही है। पेंशनर्स को समय से मंहगाई राहत व पेंशन नहीं दी जाती जा रही है। विद्युत विभाग के सभी कार्यरत कर्मचारी व पेंशनर्स राज्य सरकार के अधीन है। पेंशनर्स और कार्यरत कर्मचारियों के डीए व डीआर का आदेश एक साथ निकाला जाना चाहिए और भुगतान किया भी एक साथ किया जाना चाहिए। राज्य शासन पेंशनर्सो में विभेद कर उनको परेशान कर रही है। श्रीकृष्ण यादव ने कहा कि पेंशनरों से संबंधित पेंशन विधेयक-2022 पेंशनरों के खिलाफ है, जो फिलहाल संसद में लंबित है। इसके पारित होने से पेंशनर्स को नुकसान होगा। इसलिए समय रहते इसका पुरजोर विरोध करना पड़ेगा। बैठक को पीएस तोमर, केएल चौहान ने भी संबोधित किया। बैठक में मायाराम शर्मा, सुल्तान सिंह सिकरवार, ईसाक खान, व्हीसी जैन, व्हीसी कटारिया, मुरारीलाल प्रजापति, ध्रुव सिंह चौहान, दर्शनलाल, रामबाबू श्रीवास, जगदीश राजपूत, राजेश गुप्ता आदि उपस्थित थे।

स्वेच्छिकता पर्व पर जल गंगा सम्बर्धन में कार्य करने वाले अम्बाह के छात्रों का मुरैना में हुआ सम्मान

मुरैना। 01 अप्रैल 2025 से 30 जून 2025 तक मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री के निर्देशन में जन अभियान परिषद द्वारा चलाये गए ''जल गंगा सम्बर्धन'' कार्यक्रम में महत्वपूर्ण कार्य करने के लिए मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के स्थापना दिवस 04 जुलाई को मुरैना जिले में आयोजित कार्यक्रम स्वेच्छिकता पर्व पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मुरैना कमलेश भार्गव के द्वारा अम्बाह विकास खण्ड के सी.एम.सी.एल.डी.पी. के छात्र कु. क्षमा कटारे, नवीन सिंह तोमर (सारसी), कुलदीप शर्मा (खड़ियाहार) तथा अमर शहीद सम्मान सेवा संघ के उपाध्यक्ष हवलदार-धर्मेन्द्र सिंह तोमर(रिटायर्ड) को प्रसस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। जिसके लिए मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक - सतीश सिंह तोमर एवं ब्लॉक समन्वयक - रामकेश सिंह सिकरवार ने सम्मान प्राप्त उभरते हुए समाज सेवको के हौसले की सराहना करते हुए मार्गदर्शन के रूप में सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं में युवाओं का आव्हान किया कि समाज निर्माण में प्रत्येक मनुष्य का महत्वपूर्ण योगदान है अगर युवा शक्ति ठान ले तो हम सब मिल कर सशक्त एवं विकसित समाज का निर्माण कर सकते हैं। साथ ही जन अभियान परिषद के डॉ लाल सिंह किरार, भीकम सिंह तोमर, नरेन्द्र ओझा, सुरेन्द्र छारी, गिरजा शंकर शर्मा ,राधा चरण सिंह तोमर, डॉ प्रेमदीप कुलश्रेष्ठ, सुशील छारी, पत्रकार भीमसेन सिंह तोमर, पत्रकार आनंद सिंह तोमर, स्वेता पब्लिक स्कूल के संस्थापक विनेन्द्र सिंह तोमर ,अमर शहीद सम्मान सेवा संघ के अध्यक्ष-संदीप सिंह तोमर ने सभी पुरस्कृत छात्रों का उत्साह वर्धन करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

नवनिर्वाचित राष्ट्रीय माहौर ग्वार्रे वैश्य महासभा का शपथ ग्रहण समारोह आज

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। अखिल भारतीय माहौर ग्वार्रे वैश्य महासभा के नव निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेशचंद बांदिल और उनकी कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण आज 06 जुलाई शाम 5 बजे आयोजित किया जा रहा है। यह आयोजन मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर के मुख्यातिथ्य तथा सांसद शिवमंगल सिंह तोमर एवं महापौर श्रीमती शारदा राजेन्द्र सोलंकी के विशिष्ट आतिथ्य में होने जा रहा है, जिसकी अध्यक्षता समाज के वरिष्ठ सदस्य एडवोकेट राधेश्याम गुप्ता करेंगे। अखिल भारतीय माहौर ग्वार्रे वैश्य महासभा की स्थापना वर्ष 1923 में की गई थी, उसी समय से इसके निर्वाचन निर्धारित समय पर किये जाते रहें हैं। समाज का बहुसंख्यक भाग मुरैना में होने के कारण इसका प्रमुख केन्द्र रहा है। विगत कुछ वर्षो से अति महत्वाकांक्षी समाज के सदस्यों द्वारा इसे तोडने् व विलुप्त करने का प्रयास किया था, लेकिन युवा वर्ग ने अथक प्रयास कर पुरानी महासभा को जीवंत बनाये रखने के लिये समाज के हर वर्ग को जोड़कर निर्वाचन कराया। देश के मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली अन्य राज्यों में 22 जून से 29 जून तक निर्वाचन प्रक्रिया को पूर्ण कराया। सौहार्दपूर्ण वातावरण में राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिये मुरैना के डा. जीतू गांगिल, बानमोर के प्रवीण गुप्ता तथा लश्कर ग्वालियर के दिनेश बांदिल के बीच में संघर्ष हुआ। मतदान के दौरान 3552 मतदाताओं ने मताधिकार का उपयोग किया, जिसके तहत डॉ. जीतू गांगिल को 25, प्रवीण गुप्ता को 1019 तथा दिनेश बांदिल को 2481 मत मिले। इस पर निर्वाचन अधिकारी टीआर मांडिल ने दिनेश मांडिल को 1462 मतों से विजयी घोषित किया गया। दिनेश बांदिल की जीत पर समाज के प्रत्येक वर्ग ने हर्ष व्यक्त कर संदेश दिया कि माहौर ग्वार्रे वैश्य समाज एक था और एक रहेगा। चन्द्र स्वार्थी लोग इसका विघटन नहीं कर सकते। चुनाव में विजयी होने के बाद दिनेश बांदिल ने सभी बंधुओं को यह भरोसा दिलाया कि मेरी प्राथमिकता समाज को एकजुट रखना समाज हित में निरंतर कार्य करना रहेगी। समाज की सकारात्मक दिशा से दशा बदल जायेगी। श्री बांदिल ने मुरैना के उन युवाओं का आभार व्यक्त किया जिन्होंने समाज को निरंतर संगठित बनाये रखने के लिये अभी तक संघर्ष किया है। अखिल भारतीय माहौर ग्वार्रे वैश्य महासभा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष दिनेश बांदिल राजनैतिक व समाजसेवी परिवार से हैं। उनके पिता स्व. गंगाराम बांदिल ग्वालियर की राजनीति में भाजपा के केन्द्र बिंदु हुआ करते थे।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग संभाग मुरैना
सूबात रोड, मुरैना (म.प्र.)

क्रमांक 2733-34 / निविदा/नि.सू.क्र. 10/2025–26 — मुरैना दिनांक 30-06-2025

निविदा विज्ञप्ति

मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीकृत पंजीयन प्रणाली के अन्तर्गत पंजीकृत ठेकेदारों से मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु भवन कार्यों की दर अनुसूची प्रभावशील दिनांक 01.01.2024 पर निविदा आमंत्रण सूचना जारी होने के दिनांक तक समस्त संशोधनों सहित ई–टेण्डरिंग पद्धिति द्वारा ऑनलाइन निविदाऐं अपेन्डिक्स 2.10 में निहित शर्तों के अनुरूप आमंत्रित की जाती हैं, जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं कार्यों का विवरण वेब–साइट http://mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है। वेब–साइट पर होने वाली तकनीकी समस्याओं हेतु विभाग जिम्मेदार नहीं होगा।

टेण्डर आई.डी. क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रूपयों में)	अर्नेस्ट मनी डिपोजिट (रूपयों में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू.)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6
2025_PWDRB_434173	लोनि.वि. उपसंभाग सबलगढ़ के अन्तर्गत रिपेयर एण्ड मेंटीनेंस कार्य आर.बी. एण्ड एन.आर.बी. कार्य (द्वितीय आमंत्रण)	5000000.00 (पचास लाख)	50000/–	5000.00 + Portal Charges	31.03.26 तक
2025_PWDRB_434174	विशेष मरम्मत कार्य आवास क्रमांक एफ–08 चम्बल कॉलौनी मुरैना	198000.00 (एक लाख अन्ठानवे हजार)	4000/–	1000.00 + Portal Charges	01 माह
	योग–02 कार्य	5198000.00 (इक्यावन लाख अन्ठानवे हजार)			

1. ऑन लाइन टेण्डर पब्लिश दिनांक – 03.07.2025 समय 17:30 बजे
2. निविदा प्रपत्र डाउनलोड/विक्रय प्रारंभ दिनांक – 03.07.2025 समय 17:30 बजे से
3. निविदा प्रपत्र डाउनलोड/विक्रय अंतिम दिनांक – 18.07.2025 समय 17:30 बजे तक
4. ऑन लाईन बिड सबमिशन का प्रारंभ दिनांक – 03.07.2025 समय 17:30 बजे तक
5. ऑन लाईन बिड सबमिशन का अंतिम दिनांक – 18.07.2025 समय 17:30 बजे तक
6. बिड ओपनिंग दिनांक – 19.07.2025 समय 17:30 बजे

a. अनुबंध के पूर्व एवं अनुबंध अवधि में लेवर पंजीयन करना अनिवार्य होगा, निविदा की वैधता अवधि 120 दिवस होगी।
b. निविदा संबंधी संशोधन उसी टेण्डर में ऑन लाईन देखे जा सकेंगे, अतिरिक्त प्रेस नोट नहीं निकाला जावेगा।
c. सक्षम अधिकारी को निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित होगा।
d. संबंधित मद में आवंटन उपलब्ध होने पर ही भुगतान हो सकेगा।
c. निविदाऐं ऑन–लाईन ही प्रस्तुत की जावें, भौतिक रूप से कोई भी दस्तावेज स्वीकार नहीं किया जावेगा।
f. शासन द्वारा समय–समय पर जारी समस्त नियम एवं संशोधन प्रभावशील होंगे।
g. निविदा के साथ संलग्न शिड्यूल में दर्शाये गये आयटमों के अतिरिक्त प्रचलित एस.ओ.आर. के समस्त आयटम के कार्य सम्मिलित माने जावेंगे।

उपरोक्त वेब–साइट ऑन लाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेंडर डॉक्यूमेंट) वेब–साइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेंगे। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेब–साइट में देखी जा सकती है।

G15208/25

(अन्वेश प्रताप सिंह)
कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग संभाग मुरैना
फोन नं. 07532–226361

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सहकारिता को मिल रहे नए आयाम : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सहकारिता को लेकर लागू है पारदर्शी व्यवस्था, अब 30 दिन में हो रहा नई समिति का पंजीयन
महिलाएं समिति बनाकर सतपुड़ा टाइगर रिर्जव में चला रही हैं सफारी
मुख्यमंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर युवाओं से किया संवाद

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के नेतृत्व में मध्यप्रदेश के सहकारिता क्षेत्र को नए आयाम मिल रहे हैं। दुग्ध-उत्पादन, औद्योगिक विकास सहित अन्य क्षेत्रों में हो रहे नए कार्यों में सहकारी समितियों को प्राथमिकता मिलेगी। उन्होंने कहा कि सहकारिता समाज को एक करने के साथ ही युवाओं को बेरोजगारी से बचाने का माध्यम है। रोजगार का अर्थ सिर्फ सरकारी नौकरी नहीं है। युवाओं को स्वरोजगार और स्वावलंबन से जोड़ने के लिए प्रदेश सरकार संकल्पित है और वर्ष 2025 को रोजगार एवं उद्योग वर्ष के रूप में मना रही है। उन्होंने तीन नए आपराधिक कानूनों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में न्याय की देवी की आंखों से पट्टी हटी है, क्योंकि आंख पर पट्टी रहते हुए न्याय कैसे हो सकता है। नागरिकों के मूल अधिकार संविधान में उल्लेखित हैं और इसी भावना से व्यक्तियों के आपसी स्वावलंबन और सहभागिता का समावेश सहकारिता में है। वर्तमान सरकार में सहकारिता को लेकर व्यवस्था पूरी तरह पारदर्शी है। नई समिति की पंजीयन प्रक्रिया 30 दिन में पूर्ण की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय सहकारी दिवस के अवसर पर समन्वय भवन में म.प्र. राज्य सहकारी संघ एवं अपेक्स बैंक ट्रेनिंग कॉलेज की ओर से आयोजित सहकारी युवा संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सहकारिता ध्वज फहराकर समन्वय भवन में आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। अपर मुख्य सचिव श्री अशोक वर्णवाल कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम में अतिथियों को पौधा भेंटकर स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सहकारी युवा संवाद कार्यक्रम में उपस्थित महाविद्यालयीन विद्यार्थियों से संवाद किया और उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सहकारिता से उद्योग प्राप्त करने वाली 30 महिलाओं को सिलाई मशीन टूल किट वितरण के प्रतीक स्वरूप एक महिला को सिलाई किट प्रदान की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद सरदार वल्लभ भाई पटेल ने देश में सहकारिता का आंदोलन खड़ा करने के लिए गुजरात में अमूल की स्थापना की। हजारों

लोगों को दुग्ध-उत्पादन से जोड़कर उनकी आय बढ़ाने और बेरोजगारी खत्म करने का कार्य किया। राज्य सरकार भी दुग्ध-उत्पादन बढ़ाने के लिए संकल्पबद्ध है। अभी दुग्ध-उत्पादन में प्रदेश तीसरे स्थान पर है, जो भविष्य में शीर्ष पर पहुंचेगा। इसी उद्देश्य से दुग्ध-उत्पादन में प्रदेश का योगदान 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें सहकारिता क्षेत्र की बड़ी भूमिका होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने युवाओं से संवाद करते हुए उन्हें सहकारिता क्षेत्र से जुड़े मूल मंत्र दिए। उन्होंने कहा कि सहकारिता में आने का एक सूत्र है- जब भी कोई नया काम करें तो आत्मविश्वास मजबूत रखें। युवा जिस भी क्षेत्र में काम करना चाहते हैं, पहले उसका अनुभव लें और यह भी देखें कि सहकारी समिति के माध्यम से इस क्षेत्र में क्या-क्या किया जा सकता है। सहकारी समिति के नेतृत्वकर्ता का दायित्व है कि पहले वह स्वयं पूरी जानकारी रखें और दूसरे साथियों को भी बताएं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि युवाओं के जीवन की असली परीक्षा कॉलेज की शिक्षा पूर्ण होने के बाद शुरू होती है। राज्य सरकार सभी क्षेत्रों में युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए कार्य कर रही है। मध्यप्रदेश वन्य संपदा और जलराशियों से संपन्न है। प्रदेश में औद्योगिकीकरण को बढ़ावा देने के लिए भी सरकार संकल्पित है। हमारे युवा सभी साधनों से संपन्न होकर प्रदेश को आग बढ़ाए, इसी भावना से राज्य सरकार कार्य कर रही है। इसी उद्देश्य से अलग-अलग मंचों पर युवाओं से संवाद किए जा रहे हैं, जिससे भविष्य में उन्हें भी नेतृत्व का अवसर मिले। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत 2047 में विकसित राष्ट्र बनेगा। सहकारिता और भारतीय दर्शन के माध्यम से हम सबके कल्याण की प्रार्थना करते हैं।

आय बढ़ाने के साथ समाज को एक करने की पहल है सहकारिता

सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा कि आज विश्व अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस मनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन-?द्र मोदी के नेतृत्व में देश की व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन आया है। उन्होंने विकसित भारत के लिए सहकारिता को आगे बढ़ाने पर बल दिया। देश में सहकारिता मंत्रालय बनाकर केन्द्रीय मंत्री श्री अमित शाह को जिम्मेदारी सौंपी। देश का इतिहास है कि जहां व्यक्ति है, वहां सहकारिता है। जब व्यक्ति का एक-दूसरे से समन्वय होगा, तभी देश एक होगा। सहकारिता केवल आय बढ़ाने का माध्यम नहीं, बल्कि देश और समाज को एक करने की पहल है। हमें रोजमर्रा की जिंदगी में सहकारिता को आत्मसात करना होगा। हमें 2047 तक विकसित भारत बनाना है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थियों की जिज्ञासा का किया समाधान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के सामने महाविद्यालय छात्र-छात्राओं ने युवा संवाद कार्यक्रम में कई जिज्ञासाएं रखीं। एक छात्रा के सहकारी समिति बनाने की प्रक्रिया और शासकीय कार्य-प्रणाली संबंधी प्रश्न का उत्तर देते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्तमान में सहकारिता में पारदर्शी व्यवस्था स्थापित की गई है और नई समितियों का पंजीयन 30 दिन में पूर्ण हो रहा है। एक अन्य छात्रा ने सहकारिता संबंधी विषय स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करने का सुझाव रखा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हर विषय पाठ्यक्रम में रखना कठिन है। लोगों को स्वयं सहकारिता की ओर पहल करनी चाहिए। सहकारिता में सबका स्वागत है, इसमें शिक्षा या आय का कोई बंधन नहीं है।

मढ़ई क्षेत्र में जिप्सी चलाने वाली संगीता का मंच से कराया परिचय

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश में सहकारिता के क्षेत्र में कई नवाचार हो रहे हैं। इसी के अंतर्गत को-ऑपरेटिव पब्लिक पार्टनरशिप (सीपीपीपी) के माध्यम से सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में सफारी चलाने के कार्य में भी महिलाओं की समिति सक्रिय है। उन्होंने मढ़ई क्षेत्र में जिप्सी चलाने वाली संगीता सोलंकी का मंच से परिचय कराया। संगीता ने बताया कि बाघ सहित कई वन्य प्राणियों से समृद्ध मढ़ई क्षेत्र में वे बिना डर के पर्यटकों को जंगल सफारी कराती हैं और प्रति माह लगभग 14 हजार रूपए की आय हो रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राजा हरिशचंद्र और प्रेमचंद की कहानी पंच-परमेश्वर का उदाहरण देते हुए सहकारी समितियों के संचालन में पारदर्शिता, स्पष्टता और न्यायप्रियता की महत्ता का उल्लेख किया।

निः शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में दो सैंकड़ा लोगों ने लिया परामर्श

- ऊर्जा मंत्री तोमर भी पहुंचे शिविर में, की प्रशंसा

ग्वालियर। सिम्स मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल कैंसर हिल के सौजन्य से निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर शुक्रवार को लगाया गया। स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम में ऊर्जा मंत्री तोमर ने आयोजकों द्वारा स्वास्थ्य शिविर लगाने की प्रशंसा की। शिविर में हृदय एवं डाइबिटीज रोग, हड्डी एवं जॉइंट रिप्लेसमेंट, पथरी एवं पेट रोग विशेषज्ञों द्वारा उचित उपचार एवं परामर्श दिया गया। इसी के साथ ऊर्जा मंत्री द्वारा चलाई जा रही डेंटल वेन में उपस्थित दन्त रोग विशषज्ञ के द्वारा दांतों की जांच कर उचित उपचार किया गया। शिविर में ब्लड शुगर, बीपी, एवम ईसीजी की मुफ्त जांच की गई। शिविर में 200 लोगों ने अपनी जांच कराई और 50 लोगों ने अपने दाँतों की जांच कराकर उपचार कराया।

शिविर में दवाईयां भी निःशुल्क वितरित की गई। पूर्व मंडल अध्यक्ष आकाश श्रीवास्तव ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम का संचालन आयोजक समिति के सदस्य लाल सिंह पाल ने किया एवं आभार आयोजक समिति के सदस्य संजय सेन ने किया। शिविर में भारतीय जनता पार्टी के पार्षद सुनीता अरुण कुशवाह, सुरेंद्र चौहान खेम चन्द्र गुरूवानी, शशी शर्मा, चंदू सेन, मोहन विटवेकर, गिरीश इंदापुरकर, मनोज शुक्ला, दीपक शुक्ला, मनोज कुशवाहा, सोनू प्रजापति, गिर्राज धाकड़ आदि उपस्थित थे।

एफआईआर के विरोध में फिशरमैन कांग्रेस ने ज्ञापन सौंपा

ग्वालियर। एसटीएफ द्वारा 25 लोगों पर प्रकरण दर्ज किया गया, जिसके विरुद्ध में फिशरमैन कांग्रेस ने एक ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में कहा गया है कि गुप्त सूचना कर्ता के आधार पर एसएएफके उपनिरीक्षक पूरन सिंह गुर्जर द्वारा माही समाज के 25 लोगों को फर्जी केस, धारा आदि में फँसाया गया है। ग्वालियर चंबल संभाग के माही समाज से जो लोग फर्जी फँसाये गये हैं वे अपने प्राप्त प्रमाण पत्रों के आधार पर यह स्पष्टीकरण देना चाहते हैं कि उनके परिवार मछुआ समाज के हैं एवं शासन द्वारा प्राप्त प्रमाण पत्रों में मछुआ समाज दर्ज है एवं शासन से मिलने वाली समस्त सुविधाएं प्राप्त करते रहे हैं। सूचना कर्ता द्वारा यह कहा जा रहा है कि फर्जी जाति प्रमाण पत्र बनवाया गया है। जबकि वह शासन से मान्यता प्राप्त

मछुआ समाज है। मछुआ समाज को भारत शासन की अनुसूचित जाति में संरक्षित 2018 में संविधान संरक्षण प्राप्त है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि मांझी, केवट, बाथम आदि के विरूद्ध दर्ज एफआईआर वापिस ली जाए। ज्ञापन देने वालो में फिशरमैन कांग्रेस के प्रदेश महासचिव राकेश बाथम, मीना बाथम, संत पीतांबर दास महाराज, जसवंत बाथम, दयानाथ बाथम, भूपत बाथम, पन्नालाल बाथम, कैलाश बाथम, गनपत लाल बाथम, प्रभूदयाल बाथम, धर्मेन्द्र मांझी, बारेलाल बाथम, बीएल बाथम, अरूण बाथम, महेश मधुरिया, रामलाल बाथम आदि शामिल थे।

मध्यप्रदेश में खेलो इंडिया योजना के क्रियान्वयन का अध्ययन

मंत्री विश्वास सारंग से प्रधानमंत्री कार्यालय के निदेशक ऋग्वेद मिलिंद ठाकुर ने की भेंट

भोपाल। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग से प्रधानमंत्री कार्यालय, नई दिल्ली के निदेशक श्री ऋग्वेद मिलिंद ठाकुर ने शनिवार को भेंट की। यह भेंट श्री ठाकुर के दो दिवसीय भोपाल प्रवास के दौरान संपन्न हुई, जिसका उद्देश्य खेलो इंडिया योजना के अंतर्गत राज्य में खेल अधोसंरचना, नवाचार, प्रशिक्षण और खिलाड़ियों के विकास संबंधी पहलुओं का प्रत्यक्ष अध्ययन करना था।

मंत्री श्री सारंग ने जानकारी दी कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सोच से प्रेरित 'खेलो इंडिया' पहल को प्रदेश में सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए क्रियान्वित किया जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा 'खेलो बढ़ो अभियान' के माध्यम से भी नवोदित खिलाड़ियों को प्रशिक्षण, संसाधन और प्रतिस्पर्धा के मंच उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में खेल अधोसंरचना को वैश्विक मानकों के अनुरूप विकसित किया गया है, जिससे राज्य के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। श्री ठाकुर ने भेंट के दौरान मध्यप्रदेश सरकार द्वारा खेलो इंडिया योजना के प्रभावी क्रियान्वयन की सराहना करते हुए कहा कि प्रदेश ने न केवल योजनाओं को धरातल पर उतारा है, बल्कि खेल अधोसंरचना और प्रतिभा संवर्धन के क्षेत्र में कई अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किए हैं।

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी की प्रेरणा से खेलों के प्रति युवाओं में जोश और उत्साह का जो वातावरण बना है, वह भविष्य में भारत को ओलंपिक जैसे वैश्विक आयोजनों में और अधिक पदक दिलाने में सहायक सिद्ध होगा। श्री ठाकुर ने अपने दौरे की समापन टिप्पणी में कहा कि मध्यप्रदेश में खेलो इंडिया योजना को अत्यंत समर्पण एवं व्यावसायिक दक्षता के साथ लागू किया गया है। राज्य की खेल अधोसंरचना, नवाचारों और अकादमिक पहल से यह स्पष्ट है कि प्रदेश खेलों के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर रहा है।

अपने दो दिवसीय दौरे के पहले दिन 4 जुलाई 2025 को श्री ठाकुर ने भोपाल में खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा खेलो इंडिया योजना से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। इस बैठक में ÷खेलो इंडिया स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस÷ (रोइंग, शूटिंग और हॉकी), राज्य में संचालित 52 खेलो इंडिया सेंटर्स और खेलो इंडिया एथलीट स्कीम की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान अधिकारियों ने योजना को और अधिक प्रभावी बनाने हेतु अपने अनुभव और सुझाव साझा किए।

बैठक में वर्ष 2022 में भोपाल में सफलतापूर्वक आयोजित 'खेलो इंडिया यूथ गेम्स' के अनुभवों और उससे प्राप्त प्रशासनिक सीखों पर भी चर्चा की गई। चर्चा के दौरान योजना की संचालन व्यवस्था, लॉजिस्टिक प्रबंधन, खिलाड़ियों की सहभागिता और जन-भागीदारी जैसे विषयों पर गहन संवाद हुआ।

खेल अकादमियों और निर्माणाधीन अधोसंरचनाओं का किया निरीक्षण

दौरे के दूसरे दिन 5 जुलाई 2025 को श्री ठाकुर ने खेलो इंडिया स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, भोपाल का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे खिलाड़ियों, उनके प्रशिक्षकों, सहायक स्टाफ और संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों से संवाद कर उनके अनुभवों एवं सुझावों को जाना। उन्होंने प्रशिक्षण की गुणवत्ता, चिकित्सा सहायता, पोषण, खेल मनोविज्ञान और तकनीकी सुविधाओं की उपलब्धता जैसे पहलुओं का बारीकी से अध्ययन किया। उन्होंने मध्यप्रदेश की प्रमुख खेल अकादमियों इक्वेस्ट्रियन, शूटिंग, हॉकी तथा वॉटर स्पोर्ट्स का दौरा कर खिलाड़ियों से बातचीत की और उनकी आवश्यकताओं को प्रत्यक्ष रूप से समझा। दौरे के अंतर्गत वे नाथू बरखेड़ा में निर्माणाधीन आधुनिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स भी पहुंचे और वहां प्रगति की समीक्षा की।

उप मुख्यमंत्री देवड़ा से मिले नेशनल चैम्पियनशिप विजेता आर्म रेसलर भाई-बहन रोहित और खुशी

केरला के त्रिसुर में आयोजित नेशनल चैंपियनशिप-2025 पंजा कुश्ती में रोहित ने 2 स्वर्ण और खुशी ने जीता 1 कांस्य

भोपाल। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा से शनिवार को उनके निवास पर केरला के त्रिसुर में आयोजित नेशनल चैंपियनशिप-2025 पंजा कुश्ती (आर्म रेसलिंग) में स्वर्ण पदक विजेता रोहित सिंह और उनकी बहन कांस्य पदक विजेता खुशी लहरिया ने भेंट की। नेशनल चैम्पियनशिप में रोहित सिंह ने 2 स्वर्ण पदक और खुशी लहरिया ने 1 कांस्य पदक जीता है।

उप मुख्यमंत्री ने रोहित सिंह और खुशी लहरिया के पदक जीतने पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आपने मध्यप्रदेश का नाम देश में रोशन किया है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खेलों में मध्यप्रदेश के साथ देश का नाम भी रोशन करें। भाई-बहन रोहित एवं खुशी के कोच विक्रम अवार्डी श्री मनीष कुमार के कुशल नेतृत्व एवं प्रशिक्षण से दोनों भाई-बहन ने बेहतर

प्रदर्शन किया है। उनके माता-पिता ने बताया कि प्रशिक्षण एवं लगन की बल पर दोनों बच्चों ने स्वर्ण एवं कांस्य पदक जीता है।

पौधरोपण में वैज्ञानिक और टिकाऊ तकनीकों के उपयोग के लिए प्रशिक्षण

मनरेगा के तहत इंजीनियर और कृषि सखियों को दिया जा रहा है तकनीकी प्रशिक्षण

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की गई 'एक बगिया मां के नाम परियोजना', 'गंगोत्री हरित योजना' और 'नर्मदा परिक्रमा पथ' जैसी योजनाओं को सफलतापूर्वक क्रियान्वित करने की दिशा में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। इन योजनाओं के तहत मनरेगा के माध्यम से प्रदेश में बड़े पैमाने पर प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

इन कार्यक्रमों के अंतर्गत प्रदेश के 2101 इंजीनियर और 626 कृषि सखी को तकनीकी रूप से प्रशिक्षित किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण मध्यप्रदेश जल-भूमि प्रबंध संस्थान, भोपाल और क्षेत्रीय ग्रामीण विकास-पंचायतराज प्रशिक्षण केंद्रों में संचालित किया जा रहा है। प्रशिक्षण का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पौधरोपण कार्य वैज्ञानिक और टिकाऊ तरीके से किया जाए। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद पटेल ने निर्देश दिए हैं कि नदियों के उद्गम स्थलों पर पौधरोपण को प्राथमिकता दी जाए। साथ ही मां नर्मदा परिक्रमा पथ पर आश्रय स्थलों में पौधरोपण कर तीर्थ यात्रियों को बेहतर सुविधाएं दी जाएं। उन्होंने ÷एक बगिया मां के नाम परियोजना÷ को महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का एक सशक्त माध्यम बताया।

मनरेगा के अंतर्गत प्रशिक्षण पाने वाले अधिकारियों में 36 कार्यपालन यंत्री आरईएस, 215 सहायक यंत्री, 47 डीपीएम एसआरएलएम और 1803 उप यंत्री शामिल हैं। इन्हें पौधरोपण की

तकनीकी बारीकियों से अवगत कराया जा रहा है, जिससे वे इस कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न कर सकें। प्रदेश में पहली बार पौधरोपण कार्य में अत्याधुनिक तकनीक सिपरी सॉफ्टवेयर का उपयोग किया जा रहा है। इस सॉफ्टवेयर की मदद से संबंधित जिलों की जलवायु, मिट्टी की गुणवत्ता, एग्रो क्लाइमेट ज़ोन, स्थल चयन और पानी की उपलब्धता जैसी जानकारियां जुटाकर पौधों की उपयुक्त प्रजातियों का चयन किया जाएगा। जहां सॉफ्टवेयर उपयुक्तता नहीं दिखाता, वहां पौधरोपण नहीं किया जाएगा, जिससे संसाधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित हो सके।

एक बगिया मां के नाम अभियान के तहत स्व-सहायता समूह की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए उनकी निजी भूमि पर फलदार पौधे लगाए जाएंगे। इसके लिए 626 कृषि सखी को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ये कृषि सखी बाद में अन्य स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को पौधारोपण की तकनीक, पौधों के चयन और देखरेख के बारे में प्रशिक्षण देंगी और उन्हें आवश्यक सहयोग प्रदान करेंगी। इस व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से प्रदेश में न केवल पर्यावरण-संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि ग्रामीण महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बनने का अवसर प्राप्त होगा।

राज्य सरकार अन्य पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारी सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सभी वर्गों की बेहतरी के लिए कार्य कर रही है। राज्य सरकार अन्य पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए प्रतिबद्ध है। बगैर सर्वे, बगैर तैयारी, आरक्षण देने की बात करके फैलाए गए भ्रम के कारण यह मामला कोर्ट में लंबित रहा। आरक्षण के संबंध में तथ्यात्मक आंकड़ों के आधार पर विधानसभा में बिल प्रस्तुत करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार 14 प्रतिशत आरक्षण से शेष बचे लोगों को आरक्षण का लाभ दिलाने की दिशा में प्रभावी कार्यवाही कर रही है। इसी क्रम में सामान्य वर्ग के गरीब परिवारों के लिए भी 10 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की गई है। ऐसे विद्यार्थी जो न्यायालयीन प्रक्रिया के कारण ज्वाइनिंग नहीं दे पाए, उनको ज्वाइन कराने के भी प्रयास किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने अधिकारियों-कर्मचारियों की पदोन्नति के लंबित प्रकरणों का निराकरण किया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी की पहल पर जातिगत जनगणना की प्रक्रिया भी आरंभ हो रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समन्वय भवन में मीडिया से चर्चा में यह विचार व्यक्त किए।

स्वामित्वधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे के लिए मै. अंजली पब्लिकेशन एबी रोड़ मथुरा से मुद्रित, एवं ए-44-फस्ट फ्लोर, अशोका इन्क्लेव, पार्ट-2 सेक्टर- 37 फरीदाबाद हरियाणा (NCR) से प्रकाशित,
आरएनआई नं. एचएआरएचआईएन /2009/ 28496 संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे। मो. 9958434103 सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा।